दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 286 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

सोमवार 19 जनवरी 2026 डाक-मंगलवार 20 जनवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

प्रथमेश

दो हाई-स्पीड ट्रेनों की बीच जोरदार टक्कर, 21 लोगों की मौत, 70 घायल

मैड्रिड,19 जनवरी (एजेंसी)। दक्षिणी स्पेन के कॉर्डोबा शहर के पास रविवार को दो तेज रफ्तार ट्रेनों की टक्कर में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्पेन के परिवहन मंत्री ऑस्कर पुएंते ने सोमवार को बताया कि घायलों में से 30 की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले मीडिया रिपोर्टों में मरने वालों की संख्या 25 बताई गई थी। स्पेन के अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार लगभग 19:45 बजे हुई, जब मालागा-मैड्रिड मार्ग पर 317 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन कॉर्डोबा से लगभग 20 किमी दूर अमादुज़ के पास अज्ञात कारणों से पटरी से उतर गई। पटरी से उतरी ट्रेन मैड्रिड से हुएल्वा जा रही बगल की पटरी पर चल रही एक अन्य तेज रफ्तार ट्रेन से टकरा गई, जिससे वह ट्रेन भी पटरी से उतर गई। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने सोमवार को इस त्रासदी पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'आज रात हमारे देश के लिए गहरे दुख की रात है, क्योंकि आदमूज़ में एक दुखद रेल दुर्घटना हुई है।' स्पेन के शाही परिवार ने भी पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। पुएंते ने कहा कि टक्कर 'भयानक' थी, उन्होंने बताया कि मलागा-मैड्रिड ट्रेन के आखिरी दो डिब्बे पटरी से उतर गए और सामने से आ रही ट्रेन के पहले दो डिब्बों से टकरा गए, जिससे वे भी पटरी से उतर गए।

किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी, जैश के तीन आतंकी फंसे, आठ जवान घायल

जम्मू ,19 जनवरी (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सिंहपोरा में रविवार को सुरक्षाबलों और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। दोनों तरफ से हुई भारी गोलीबारी 8 जवान घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। वहीं, दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि रात भर रुकने के बाद, सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में छिपे होने की संदेह पर सर्च ऑपरेशन फिर से शुरू कर दिया। यह ऑपरेशन रविवार को चतरू बेल्ट में मंदराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि घनी हरियाली और खड़ी ढलानों वाले मुश्किल इलाके में रविवार देर रात ऑपरेशन रोक दिया गया था, जिससे विजिबिलिटी और मूवमेंट सीमित हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें, ड्रोन और स्निफर कुत्तों की मदद से, इलाके की तलाशी ले रही हैं, साथ ही एक सख्त सुरक्षा घेरा बनाए हुए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी भाग न सकें।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो से तीन आतंकवादियों का एक समूह इलाके में फंसा हुआ माना जा रहा है, और बताया कि ऑपरेशन दिन की पहली रोशनी के साथ फिर से शुरू हुआ और आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जारी था। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के साथ कोई नया संपर्क नहीं हुआ है।

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण ने तोड़ा कई दिनों का रिकॉर्ड, एक्यूआई 500 के करीब, ग्रैप-4 नियम हैं लागू

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण ने बीते कई दिनों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद सहित पूरे एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बेहद गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। कई इलाकों में एक्यूआई 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि कुछ स्थानों पर यह 500 के करीब पहुंचता नजर आया।

प्रदूषण की भयावह स्थिति के चलते पूरा एनसीआर मानो गैस चैंबर में तब्दील हो गया है। दिल्ली के हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। दिल्ली के अधिकांश मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया। आनंद विहार में एक्यूआई 461, अशोक विहार में 471, बवाना में 442, चांदनी चौक में 454, जहांगीरपुरी में 468, रोहिणी में 471, विवेक विहार में 472 और वजीरपुर में 473 दर्ज किया गया। आईटीओ क्षेत्र में 430, आर.के. पुरम में 439, सोनिया विहार में 467 और मंदिर मार्ग में 371 रहा। आईजीआई एयरपोर्ट (टी-3) क्षेत्र में भी एक्यूआई 339 दर्ज किया गया, जो खराब से गंभीर की श्रेणी में आता है।

नोएडा और गाजियाबाद की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। नोएडा में सेक्टर-62 में एक्यूआई 375, सेक्टर-1 में 439 और सेक्टर-116 में 422 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक्यूआई 433, लोनी में 476, संजय नगर में 389 और वसुंधरा में 457 रिकॉर्ड किया गया।

इन आंकड़ों से साफ है कि दिल्ली से सटे शहरों में भी प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, घने कोहरे और स्मॉग की मोटी चादर ने पूरे एनसीआर को सुबह से ही ढक रखा है। 19 जनवरी को सुबह के समय घना कोहरा दर्ज किया गया, जबकि आने वाले दिनों में भी मध्यम कोहरे की संभावना जताई गई है। अधिक आर्द्रता और कम हवा की गति के कारण प्रदूषक वातावरण में फंसे हुए हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

गंभीर प्रदूषण को देखते हुए एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) का चरण-4 लागू कर दिया गया है। इसके तहत दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों की सख्त जांच की जा रही है। प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को रोकने के साथ-साथ निर्माण गतिविधियों पर भी कड़ी पाबंदी लगाई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मौसम में बदलाव नहीं हुआ और तेज हवाएं नहीं चलीं तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें, मास्क का प्रयोग करें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

ठाणे में प्री-वेडिंग समारोह में खाना खाते ही बिगड़ी तबीयत, 125 लोग फूड पॉइजनिंग के शिकार

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। ठाणे जिले के कल्याण में रविवार शाम को एक प्री-वेडिंग फंक्शन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। हल्दी समारोह में शामिल करीब 125 मेहमानों को खाने के तुरंत बाद उल्टी, जी मिचलाना और पेट में तेज दर्द की शिकायत होने लगी। संदिग्ध फूड पॉइजनिंग की वजह से पूरा आयोजन में हड़कंप मच गया। लोगों को तुरंत पास के अस्पतालों और क्लीनिकों में भर्ती कराना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके में एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में हुआ। जहां मेहमानों को खाने के साथ-साथ पारंपरिक हल्दी रस्म में हिस्सा लेने के लिए बुलाया गया था। लेकिन खाना खाने के कुछ ही देर बाद हालात खराब हो गए। कल्याण जोन-III के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस अतुल जेंडे ने बताया कि लगभग 100 से 125 लोगों को फूड पॉइजनिंग की शिकायत हुई। सभी लोगों को समय पर इलाज मिला और अब उनकी हालत स्थिर है। सभी मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और वे अपने घर वापस लौट चुके हैं। पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। खाने के सैंपल जांच के लिए भेज दिए गए हैं ताकि सही कारण का पता चल सके। जांच पूरी होने के बाद ही असली वजह सामने आएगी। जानकारी के अनुसार इस समारोह में खाना अहमदाबाद से आई एक कैटरिंग कंपनी ने सप्लाई किया था। खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि कैटरिंग कंपनी के मालिक व संबंधित लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

नाबालिग से यौन उत्पीड़न मामले में कथावाचक श्रवण दास महाराज गिरफ्तार, मौनी बाबा फरार

पटना,19 जनवरी (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले से एक गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक चर्चित कथावाचक को नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में कथावाचक का गुरु मौनी बाबा फिलहाल फरार बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है।

दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मिथिलांचल क्षेत्र के कथावाचक श्रवण दास महाराज को एक नाबालिग से जुड़े गंभीर यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एसडीपीओ राजीव कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष जांच टीम द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि महिला थाना, लहेरियासराय थाना और आसपास के अन्य थानों की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी का सहयोगी और गुरु मौनी बाबा अभी फरार है और उसकी भूमिका की गहन जांच की जा रही है।

गिरफ्तार कथावाचक श्रवण दास महाराज का असली नाम श्रवण ठाकुर बताया गया है। वह दरभंगा जिले के बिरौल थाना क्षेत्र स्थित परीं गांव का रहने वाला है। वर्तमान में वह लहेरियासराय थाना क्षेत्र के पचाढ़ी छावनी स्थित रामजानकी मंदिर में रह रहा था।

प्राथमिकी के अनुसार, आरोपी पर आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर करीब एक वर्ष तक पीड़िता का यौन शोषण किया। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि गर्भवती होने पर उस पर गर्भपात का दबाव बनाया गया। इस मामले में पीड़िता की मां की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है और सभी आरोपों की सत्यता की पड़ताल की जा रही है।

बिहार में दो इंच जमीन के लिए खौफनाक वारदात, पति-पत्नी और बच्चे को जिंदा जलाया

बोधगया,19 जनवरी (एजेंसी)। बोधगया थाना क्षेत्र के अम्मा गांव में रविवार को एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। जमीन को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।

जहां दो इंच जमीन के विवाद में एक व्यक्ति ने अपने ही सगे भाई के घर में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी।

इस दर्दनाक घटना में अम्मा गांव निवासी नीलू कुमारी, उनके पति राणा कुलेश्वर और उनका एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को आनन-फानन में मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, लंबे समय से दो इंच जमीन को लेकर दोनों भाइयों के बीच विवाद चल रहा था, जो अचानक हिंसक रूप ले लिया। इसी विवाद के दौरान आरोपित ने इस खौफनाक घटना को अंजाम दिया। इस संबंध में बोधगया थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता नीलू कुमारी द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से आरोपित अपने पूरे परिवार के साथ घर छोड़कर फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

कोहरा बना काल: यूपी, हरियाणा और पंजाब में हादसा, 15 लोगों की मौत, सौ से अधिक घायल

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। उत्तर भारत के कई राज्यों में कोहरे का सितम कम होता नहीं दिख रहा। यूपी, हरियाणा और पंजाब में रविवार को कोहरा काल बनकर आया। यहां घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम होने की वजह से 50 से अधिक वाहन आपसे में भिड़ गए। इस दौरान तीनों राज्यों में विभिन्न सड़क हादसों में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक घायल हो गए।

उत्तर प्रदेश में विभिन्न हादसों में 50 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए, जिससे 11 लोगों की जान चली गई और 70 से ज्यादा लोग घायल बताए गए है। रामपुर में गलत दिशा से आ रहे ऑटो ने एक बाइक पर सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र समेत तीनों की मौत हो गई। मुरादाबाद में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शनिवार रात लोधीपुर राजपूत गांव के पास एक कैंटर में कंटेनर पीछे से टकरा गया, जिसमें कंटेनर चालक की मौत हो गई।

अमरोहा के आदमपुर में मैक्स गाड़ी एक गहरी खंदक पर पलट गई, जिसमें चालक की जान चली गई। गजरौला में कोहरे के चलते दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर 15 से अधिक वाहन टकरा गए। शाहजहांपुर में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के उचौलिया गांव के पास दो लोगों को ट्रक ने कुचल दिया। कपसेड़ा गांव के पास कोहरे में रोडवेज बस एवं दो कार टकरा गईं, इसमें तीन लोग घायल हुए।

पूरनपुर में पीएसी की गाड़ी डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसमें आठ जवान घायल हो गए। बरेली में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के फरीदपुर में 16 वाहन टकराए, इसमें रोडवेज बस चालक की मौत हो गई। फिरोजाबाद के मटसेना क्षेत्र में लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पीछे से आ रही स्लीपर कोच बस डंपर से टकरा गई। बस में बैठे 12 सवारियां घायल हो गईं।

अयोध्या में जल्द खुलेगा रामायण वैक्स म्यूजियम, सीएम योगी करेंगे लोकार्पण

अयोध्या,19 जनवरी (एजेंसी)। अयोध्या के पांच कोसी परिक्रमा मार्ग पर पर्यटकों के लिए रामायण वैक्स म्यूजियम आकर्षण का केंद्र बनने जा रहा है। नगर निगम की इस परियोजना की निर्माण कंपनी के एमडी व विश्व विख्यात वैक्स शिल्पी सुनील कुमार कांडलोर ने बताया कि 10 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में करीब 10 करोड़ की लागत से रामायण वैक?स म्यूजियम का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। सभी स्टैच्यू का डिस्प्ले कार्य गैलरी में पूरा हो चुका है। जिसमें राम कथा के 40 प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया है। अब इसके लोकार्पण की तैयारी चल रही है।

सुनील कांडलोर ने बताया कि म्यूजियम के लोकार्पण के लिए वे रविवार को अयोध्या के डिविजनल कमिश्नर राजेश कुमार व निगम के अधिकारियों से मिले थे। उन्होंने बताया कि रामायण म्यूजियम का लोकार्पण सीएम योगी आदित्यनाथ करेंगे। कांडलोर के मुताबिक, पूरी उम्मीद है कि फरवरी के पहले हफ्ते में म्यूजियम का लोकार्पण हो जाएगा।

सुनील कुमार ने बताया कि म्यूजियम में रामकथा के 50 मॉडल में 40 वैक्स स्टैच्यू रामायण के विभिन्न प्रसंगों के सीन क्रिएट करने में उपयोग किए गए हैं। इन प्रसंगों का डिस्प्ले-सुनील के मुताबिक म्यूजियम में प्रभु रामजन्म, सीता स्वयंवर, ताड़का बध ,राम हनुमान मिलन, लंका दहन, सीता हरण, अशोक वाटिका में सीता व राज्याभिषेक आदि से जुड़े प्रसंग बेहद सजीव दिखाई देते हैं। गैलरी में इनके राम कथा के प्रसंगों के बैकग्राउंड में पेंटिंग से सीन तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि वैक्स स्टैच्यू मुंबई कार्यशाला में तैयार किए गए हैं।

वाह वाह

०० पप्पू अस्पताल की एक नर्स से कहता है- आई लव यू

तुमने मेरा दिल चुरा लिया

नर्स (शरमा कर)- चल झूठे, दिल को तो हाथ भी नहीं लगाया

हमने तो सिर्फ 'किडनी' चुराई है

नर्स का जवाब सुनकर पप्पू की बोलती हो बंद गई....

नक्सलियों के प्रेशर आईईडी की चपेट में आकर ग्रामीण की मौत

बीजापुर,19 जनवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों के प्लांटेड प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एक निर्दोष ग्रामीण की मौत हो गई. वह लकड़ी लेने के लिए जंगल गया हुआ था. इसी दौरान प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया. जोरदार धमाके में उसके दोनों पैर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए. इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के दौरान उसकी रास्ते में ही दम तोड़ दिया.

जानकारी के मुताबिक, 18 जनवरी को ग्राम कस्तुरीपाड में यह घटना हुई है. आयता कुहरामी कस्तुरीपाड के जंगल क्षेत्र की ओर गया हुआ था। इसी दौरान माओवादियों के पहले से बिछाए गए प्रेशर ढ्वश्वष्ठ की चपेट में आने से ग्रामीण के दोनो पैर में बुरी तरह से क्षति ग्रस्त हो गए. युवक की उपचार के लिए अस्पताल लेकर जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई.

घटना के बाद सुरक्षा बलों ने लगातार क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान शुर कर दिया है. भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ढ्वश्वष्ठ निष्क्रियकरण की कार्रवाई भी की जा रही है.

थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा की तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से मौत

बिलासपुर,19 जनवरी (एजेंसी)। पुलिस विभाग से एक अत्यंत दुखद समाचार सामने आया है। मुंगेली जिले के जरहागांव थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा का ड्यूटी के दौरान सड़क हादसे में निधन हो गया। इस घटना की पुष्टि मुंगेली की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर ने की है। उनके आकस्मिक निधन से न सिर्फ उनके परिवार, बल्कि पूरे पुलिस विभाग में शोक है।

एएसपी नवनीत कौर ने बताया कि थाना प्रभारी नंदलाल पैकरा एक गुम इंसान की पता-साजी के सिलसिले में अपनी टीम के साथ राजस्थान गए हुए थे। रविवार की रात वे हाईवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान भोजन करने के लिए टीम के साथ एक ढाबा पर रुके। भोजन से पहले नंदलाल पैकरा ढाबा के सामने मोबाइल फोन पर किसी से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक अज्ञात वाहन के चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही उनकी हालत नाजुक हो गई।

उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई। हादसे की जानकारी उनके परिजनों को दी गई, जिसके बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

नंदलाल पैकरा को एक जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ और संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में जाना जाता था। वे अपने व्यवहार, कार्यशैली और जनता के प्रति सहयोगात्मक रवैये के लिए लोकप्रिय थे। ड्यूटी के प्रति उनकी निष्ठा और ईमानदारी की पुलिस विभाग में हमेशा सराहना की जाती रही है।

सूचना

दिनांक 18 जनवरी 2026 को यांत्रिकी खराबी के कारण छत्तीसगढ़ गौरव का प्रकाशन नहीं हो सका। पाठकों की असुविधा के लिए खेद है।

व्यवस्थापक

उपार्जन केंद्र से धान के उठाव पर मार्कफेड ने लगाई रोक

मिलर्स जारी नहीं कर पा रहे गेट पास, जिले में 151 करोड़ का धान जाम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। धान खरीदी अभियान के अंतिम पखवाड़े तक शासन की अव्यवस्था पर रोक नहीं लग सकी है। कस्टम मिलिंग उपार्जन नीति के तहत जिले समेत प्रदेश के कई जिलों में धान की रीसाइक्लिंग के मामले सामने आने के बाद मार्कफेड ने समिति से लोडिंग (उठाव) कार्य पर रोक लगा दी है। मिलर मॉड्यूल में इसकी जानकारी पेज ओपन करते ही प्रदर्शित होने पर राइस मिलर्स समेत सहकारी समितियों की चिंता बढ़ गई है। वे ऑनलाइन गेट पास जारी नहीं होने पर शनिवार को किसी भी उपार्जन केंद्र में धान के उठाव के लिए वाहन नहीं पहुंच सके। आकांक्षी जिला कोरबा में इस बदइंतजामी से समितियों के ही उपार्जन केंद्रों में खरीदकर रखे गए

6 लाख 56 हजार 740.40 समर्थन मूल्य पर 151 करोड़ 5 लाख 2 हजार 920 रुपए का धान जाम पड़ गए हैं। जल्द जाम पड़े धान का उठाव नहीं किया गया तो धान के शार्टेज होने के साथ साथ ,पर्याप्त जगह के अभाव में खरीदी प्रक्रिया बंद होने के आसार बढ़ जाएंगे। समिति स्तर पर खरीदे गए धान की राइस मिलर्स को डीओ जारी करने के बाद भी उठाव कार्य में रोक लगा दी गई है। इसके पीछे की वजह कुछ जिलों में धान के रीसाइक्लिंग के सामने आए मामले को लेकर उठाया गया कदम बताया जा रहा है, लेकिन अंतिम पखवाड़े में उठाए गए इस कदम से पूरे प्रदेश के उपार्जन केंद्रों में धान जाम होने के हालात निर्मित हो सकते हैं। लगभग सभी जिले खरीदी लक्ष्य से काफी पीछे चल रहे। बात करें आकांक्षी जिला कोरबा की तो चालू खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 की तो जिले को 31लाख 19 हजार क्विंटल धान खरीदी का लक्ष्य दिया गया था। जिसकी पूर्ति में 41 समितियों के 65 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 33 हजार 846 किसानों से तकरीबन 20 लाख 63 हजार 575.20 क्विंटल धान की आवक हुई है। जिसमें से 6 लाख 56 हजार 740.40 समर्थन मूल्य पर 151 करोड़ 5 लाख 2 हजार 920 रुपए का धान जाम पड़ा है। इस तरह देखें तो 31.72 फीसदी 6 धान उठाव के इंतजार में हैं। हाथी प्रभावित बरपाली (कोरबा) बरपाली (श्यांग), कुदमुरा, चचिया ,सिरमिना, उतरदा , अखरापाली समेत 2 दर्जन से अधिक उपार्जन केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धान जाम पड़े हैं। धान के नियमित उठाव की स्थिति में ही शेष बचे किसानों के लिए धान बेचने की पर्याप्त जगह की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। लेकिन शासन स्तर पर लोडिंग (परिवहन)कार्य मे ही रोक लगाए जाने के निर्णय ने समितियों को एक बार फिर परेशानी में डाल दिया है।

जारी नहीं कर पाए ऑनलाइन गेट पास

जानकारी अनुसार राइस मिलर्स जारी किए गए डीओ के आधार पर धान परिवहन कार्य के लिए नियोजित अपने वाहनों को ऑनलाइन गेट पास जारी करने के उपरांत ही उपार्जन केंद्र भेजते हैं ।जिसमें वाहन का नंबर फोटो भी अटैच रहता है। उपार्जन केंद्र में खरीदी प्रभारी इसका मिलान कर उपार्जन केंद्र में वाहन की इंट्री का आवक पास जारी करता है,धान लोडिंग का कार्य पूरा होने के बाद फ़ोटो वीडियो ग्राफी के उपरांत जावक पास जारी करता है। इसके उपरांत ही वाहन कस्टम मिलिंग के लिए रवाना की जाती है ।इन समस्त कार्यों पर रोक लग गई है। यहाँ तक कि ऑनलाइन बारदाना भी जारी नहीं हो पा रहा है।अब ये क्षणिक अव्यवस्था है या फिर शेष बचे पूरे ख़रीदी दिवस के लिए ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा,लेकिन फिलहाल पूरे प्रदेश में खलबली मची हुई है। साथ ही यह कदम संग्रहण केंद्र खोले जाने के लिए हालात निर्मित कर रहे हैं।

राइस मिलरों को भी होगा आर्थिक नुकसान

उपार्जन केंद्रों से धान का उठाव नहीं होने पर न केवल समिति वरन राइस मिलर्स को भी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। राइस मिलर्स माह -2 माह के लिए किराए पर दर्जनों वाहन लिए रहते हैं। मिलरों के दर्जनों डीओ पेंडिंग हैं , ऐसे में उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। बड़े मिलरों की चिंता और बढ़ गई है। शीघ्र समाधान नहीं होने पर राइस मिलर्स भी खुलकर विरोध प्रदर्शन के लिए सामने आ सकते हैं।

हृदय रोगियों के लिए वरदान बना एनकेएच का कैथलैब

एक दिन में 46 मरीजों का उपचार, एंजियोग्राफी व एंजियोप्लास्टी से बची जिंदगियां

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब की सुविधा होने से जिले के हृदय रोगियों को अब बड़े शहरों जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं अपने ही शहर में उपलब्ध हो रही हैं। इससे मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाने की मजबूरी नहीं रह गई है और समय रहते उपचार मिलने से कई मरीजों की जान बचाना संभव हो सका है।

ठंड के मौसम में हृदय संबंधी बीमारियों के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी क्रम में एक दिन में 46 से अधिक हृदय रोगी एनकेएच पहुंचे, जहां सभी को तत्काल इलाज उपलब्ध कराया गया। कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एस.एस. मोहंती के नेतृत्व में आवश्यक जांच के बाद 4 मरीजों की एंजियोग्राफी तथा 2 मरीजों की एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। फिलहाल सभी मरीज स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं। एनकेएच में रायपुर के सुपर स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश सूर्यवंशी,

डॉ. एस.एस. मोहंती एवं डॉ. दीपक कुमार नियमित रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ये विशेषज्ञ हर माह 4 से 6 बार अस्पताल में विजिट करते हैं तथा आपात स्थिति में भी तुरंत पहुंचकर मरीजों का उपचार करते हैं। एनकेएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि कैथलैब शुरू होने से कोरबा और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अब बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ रहा है। इससे समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है, वहीं त्वरित इलाज मिलने से मरीजों की जान को होने वाले जोखिम में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने बताया कि कार्डियोलॉजी विभाग में संचालित यह कैथलैब जिले की पहली ऐसी सुविधा है, जहां हृदय रोगों से संबंधित सभी अत्याधुनिक जांच और उपचार एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। एनकेएच की यह पहल कोरबा को चिकित्सा के क्षेत्र में नई पहचान दिला रही है और हृदय रोगियों के लिए जीवनदान साबित हो रही है।

धान खरीदी के शेष दिवसों में प्रभावी कार्ययोजना से करें खरीदी : कलेक्टर कुणाल दुदावत

सजगता, निष्पक्षता और शासन की मंशानुसार धान खरीदी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

कोरबा,18 जनवरी। कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले में धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान खरीदी के शेष दिवसों में शासन की मंशानुसार पूर्ण सजगता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री दुदावत ने अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर उसके

अनुसार कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि समितियों में किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए। किसानों को धान विक्रय में किसी भी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए उन्हें सही एवं स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए।

उन्होंने उपार्जन केंद्रों में विक्रय हेतु आने वाले धान की सुव्यवस्थित ढेरी लगवाने, गुणवत्ता परीक्षण एवं नमी जांच के उपरांत ही धान खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही समितियों में जाम की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक पूर्व तैयारियां एवं वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने निर्देशित किया।

कलेक्टर ने कहा कि केंद्रों में आवश्यकता अनुसार तौलाई मशीनों की उपलब्धता बढ़ाई जाए। रकबा समर्पण के साथ-साथ एंट्री कार्य भी समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल नोडल अधिकारी को सूचित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, खाद्य अधिकारी जी.एस. कंवर, जिला विपणन अधिकारी ऋतुराज देवांगन, नोडल कॉपरेटिव बैंक एस.के. जोशी सहित खाद्य निरीक्षक, समिति प्रबंधक, फड़ प्रभारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

राठौर क्षत्रिय समाज एकजुटता की मिशाल: उद्योग मंत्री

छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के नव नियुक्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण में सम्मिलित हुए मंत्री व महापौर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा जिला कोरबा के नवनिर्वाचित पदाधिकारी और कार्यकारिणी के अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर कोरबा नगर विधायक, छग के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन और कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत शामिल हुए।

डीडीएम रोड स्थित राठौर क्षत्रिय समाज भवन में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने भारत माता, छत्तीसगढ़ महतारी और राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौड के जयकारों के साथ अपना उद्बोधन प्रारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा की सर्व मंगल मंदिर चौक पर राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौड जी की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मंत्री श्री देवांगन ने घोषणा

की गई। उन्होने प्रदेश और समाज को आगे बढ़ाने में राठौर समाज की एकजुटता और संगठित होकर कार्य करने की सराहना की। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि राठौर क्षत्रिय समाज का जिस तरह स्नेह और आशीर्वाद सदैव मिलता है, उसके लिए हमेशा से आपका ऋणी रहूंगा। कोरबा जिले के विकास में राठौर समाज के वरिष्ठ जनों का विशेष योगदान रहता है। समाज की मांग पर समाज के भवन के आंतरिक विकास एवं अन्य निर्माण कार्य हेतु 11.50 लाख की लागत से भवन के विकास के लिए राशि स्वीकृत की गई थी, इसका कार्य प्राथमिकता से प्रारम्भ कर पूर्ण किया जा चुका है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की समाज की मांग पर ढोढीपारा के सामने में सामुदायिक भवन हेतु 20 लाख की स्वीकृति डी जा चुकी है, इसका जल्द भूमिपुजन आप सभी के उपस्थिति में सम्पन्न कर कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। मंत्री श्री देवांगन ने कहा की क्षत्रिय राठौर समाज की पहचान ही विकासशील और एकजुटता है। इस अवसर पर गोवर्धन राठौर , छत्तीसगढ़ प्रांतीय राठौर क्षत्रिय सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष पवन राठौर ,राजेंद्र राठौर, महामंत्री, ओकार राठौर, कोषाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र राठौर, संतोष राठौर अध्यक्ष राठौर क्षत्रिय समाज को मंत्री श्री देवांगन ने बधाई एवं शुभकामनाए दी। कार्यक्रम में पार्षद नरेंद्र देवांगन, सनत राठौर, मनोज राठौर भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ विजय राठौर, मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, कृष्णा राठौर, राजकुमार राठौर, दीप राठौर, पार्षद श्रीमती उर्वशी राठौर,अजय राठौर, निखिल राठौर शाहिद अधिक संख्या में जिले एवं क्षेत्र से आए समाज के प्रमुख जन उपस्थित रहे।

राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन एक सुनहरा पल लेकर आएगा। आपके व्यापार में इजाफा होगा, जिससे उत्साह बढ़ेगा। किसी मित्र से सहयोग मिलने से बेकरी का बिजनेस करने वालों की बिक्री में बढ़ोतरी होगी, जिससे अधिक लाभ मिलेगा। आज आप शुभ काम की शुरुआत करेंगे। छात्रों को अच्छे रिजल्ट के लिए अपनी मेहनत को जारी रखने की जरूरत है।

वृष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस-पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। सामाजिक कार्यों की अपेक्षा अपनी व्यक्तिगत कार्य पर अधिक ध्यान दें क्योंकि आज लिया गया निर्णय निकट भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होने वाला है।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको घर के बडों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। अनुभवी व्यक्ति आज आपके बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगे।

कर्क राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप नये वाहन की खरीदारी करेंगे। किसी नई जगह पर आज घूमने जायेंगे जिससे नये जीवन का एक नया पाठ सीखेंगे। किसी जरूरतमंद की आज आप मदद करेंगे, जिससे आपको आशीर्वाद मिलेगा। घरवालों के साथ पार्टी का विचार बनायेंगे, जिससे खुशी बढ़ेगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज छात्रों को अपने करियर से संबंधित खुशखबरी मिलने की संभावना है। आज रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ नयापन आ सकता है। इस राशि के बच्चों को उनके शिक्षकों से तारीफ मिलेगी। रिश्तों की गरिमा बनाकर रखने से परिवार में सुख शांति बनी रहेगी। बड़े-बुजुर्ग अपने किसी बचपन के दोस्त से मिल सकते हैं।

कन्या राशि : आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। आज उपहारों का आदान-प्रदान करना रिश्ते में मधुरता लाएगा। मानसिक सुकून और शांति की चाह में एकांत स्थल पर कुछ समय अवश्य बिताएं। साथ ही लेन-देन के मामलों में आपको सावधानी बरतने की जरूरत है।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यात्रा पर भी जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। घर की सुख-सुविधाओं संबंधी जरूरतें पूरी करने में आपका विशेष प्रयास रहेगा। आज आप भविष्य को लेकर किसी अनुभवी से विचार विमर्श करेंगे। आज ऑफिस में ज्यादा कार्यभार रहेगा। आज सरकारी सेवारत लोगों को ऑफिस संबंधी किसी बदलाव की सूचना मिल सकती हैं।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके व्यापार की गति अच्छी बनी रहेगी। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोंक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगा। आज पैसों के लेन-देन में सावधानी बरते। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

धनु राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी काम के प्रति लगन और निष्ठा बढ़ेगी जिससे आपको अपने काम में सफलता मिलेगी। आज पारिवारिक जीवन में सुख शांति बढ़ेगी और मन प्रसन्न रहेगा। रुकी हुयी योजनायें फिर से चालू हो जायेंगी। कंपनी में अच्छा काम करने से बॉस द्वारा अच्छी रेटिंग मिल सकती है। आज व्यापार में आपको ज्यादा लाभ मिलेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप रुके कार्यों को आज पूरा करने में व्यस्त रहेंगे, आज किसी अनजान व्यक्ति से आपको मिलकर अच्छा लगेगा। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी बनी रहेगी। बेवजह की उलझन दूर होगी और पेट सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बडों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना होगी, दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिए नयी खुशियां लायेगा। आंखों की समस्या को आज किसी अच्छे डॉक्टर को दिखाएंगे, जिससे आपको कुछ अच्छा फील होगा। पूरी मेहनत से काम को करेंगे जिससे उसका परिणाम आपके पक्ष में आएगा। विद्यार्थियों का दिन आज व्यस्त रहेगा। आज आपको अधिक क्रोध से बचना होगा, नहीं तो आपको ही परेशानी होगी। दांपत्य जीवन में एक नया खुशी का पल आयेगा, आपको संतान सुख मिलेगा। आपकी बातों से किसी की भावनाओं को ठेस न पहुचें, इस बात का ख्याल रखेंगे।

15 हाथियों के झुंड ने की 5 किसानों की फसल चौपट

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वन मंडल कोरबा में हाथियों की संख्या 27 पहुंच गई है। धरमजयगढ़ वन मंडल से 15 हाथियों का झूंड कुदमुरा रेंज पहुंचा है। हाथियों ने जिल्गा में 2 किसानों और 1 दंतैल ने चचिया में 3 किसानों की सब्जी की फसल को चौपट कर दिया। वन विभाग की टीम हाथियों की निगरानी कर रही है। चचिया में किसानों की केला, सब्जी की फसल को नुकसान पहुंचाने के बाद दंतैल हाथी जिल्गा की ओर बढ़ गया है।

दंतैल के झूंड में मिलने की भी संभावना बनी हुई है। शनिवार रात धरमजयगढ़ से पहुंचे हाथी बैगामार, चचिया की ओर बढ़ सकते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी कराई है। करतला रेंज में 11 हाथी घूम रहे हैं, जो एक सप्ताह से चिकनीपाली और कोटमेर के जंगल में घूम रहे हैं। कटघोरा वन मंडल में भी 53 से अधिक हाथी घूम रहे हैं।

एचटीपीएस ने विद्यार्थियों का कराया सेमिनार व कॅरियर काउंसिलिंग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम की ओर से नई परियोजना 2गुणा660 मेगावाट विद्युत संयंत्र के समीपस्थ गांवों के विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय पेट्रो रसायन अभियांत्रिकी व प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट) की मदद से दो दिवसीय सेमिनार व कॅरियर काउंसिलिंग कराया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के समीपस्थ 11 गांवों में सीईआर के कार्यों को विस्तारित कर रही है।

विद्युत गृह हायर सेकंडरी स्कूल क्रमांक-2 दर्री में दो दिवसीय सेमिनार व कॅरियर काउंसिलिंग आयोजित की गई। इसमें एचटीपीएस के समीपस्थ ग्राम नवागांव-कला, छिरहुट, अध्योध्यापुरी, रामनगर व राजीवनगर के स्कूली बच्चे लाभान्वित हुए। यह आयोजन मुख्य अभियंता एचके सिंह के मार्गदर्शन व

अतिरिक्त मुख्य अभियंता (तकनीकी व सहायक सेवाएं) एमके गुप्ता के निर्देशन में प्रशिक्षण विभाग द्वारा कराया गया। सिपेट के प्रशिक्षकों की टीम में रजनीश पांडेय, महेश तुडु नीतीश कुमार शामिल रहे। प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को 11वीं कक्षा के लिए विषय चयन, स्नातक, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विषय में विस्तार से बताया। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय में जानकारी देते हुए लक्ष्य के अनुरूप तैयारी व व्यक्तित्व विकास के भी सुझाव दिए। इसके साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को सिपेट की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। प्लास्टिक उत्पाद निर्माण तकनीक (इंजेक्शन मोल्डिंग, ब्लो-मोल्डिंग इत्यादि) के अंतर्गत उत्पादक मशीनों की कार्यप्रणाली, रखरखाव व विभिन्न क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। कन्वेंशनल मशीनिंग व कप्यूटर न्यूमेरिक कण्ट्रोल मशीनिंग, लेजर इन्ग्रेविंग मशीन की कार्यप्रणाली को भी समझाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा उत्सुकता के साथ मशीनों के विषय में सवाल भी पूछे गए, जिसके जवाब प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए। इस अवसर पर विद्युतगृह स्कूल के शिक्षक डीएस श्रीवास, राकेश किंडो, एचटीपीएस से अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) सुमित सिंह, कार्यपालन अभियंता (प्रशिक्षण) मनोज मिश्रा व नई परियोजना से अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तरी हवा हो रही कमजोर, अब बढ़ेगा तापमान

न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने का अनुमान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मकर संक्रांति के बाद जिले में मौसम में बदलाव दिखने लगा है। बीते दो दिनों से दिन की धूप तेज हुई है और दिन में ठंड का असर कम हुआ है। हालांकि न्यूनतम तापमान अब भी 10 डिग्री पर स्थिर है, लेकिन इसमें बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर से आने वाली ठंडी हवा कमजोर हुई है, जिसके कारण ठंड में कुछ कमी दर्ज की गई है। अब न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री और दिन के तापमान में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है। इससे शीतलहर से राहत मिल सकती है, लेकिन ठंड का असर बना रहेगा। दोपहर में तेज धूप रही, वहीं सुबह की ठंड भी पिछले दिनों की तुलना में कम रही। अब तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। फरवरी के पहले या दूसरे सप्ताह तक न्यूनतम तापमान 14 से 15 डिग्री के बीच रह सकता है, यानी इस दौरान भी ठंड बनी रहेगी। हालांकि दिन सामान्य से अधिक गर्म रह सकते हैं। मौसम तंत्र लानीना के प्रभाव से ठंड का असर अधिक बना हुआ है। संभावना है कि फरवरी के अंतिम सप्ताह तक ठंड महसूस होती रहेगी। बसंत ऋतु आते ही दिन का तापमान तेजी से बढ़ने लगेगा। इस बार जिले में कड़ाके की ठंड रही। दिसंबर से जनवरी के बीच कई दिनों में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री या इससे नीचे दर्ज किया गया। करीब 35 दिनों तक कई क्षेत्रों में शीतलहर की स्थिति बनी रही। लोगों को कई साल बाद इतने लंबे समय तक ठंड का अनुभव मिला है। जनवरी में ठंड पूरी तरह खत्म नहीं होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तरायण के मौके पर अहमदाबाद, गुजरात में श्री जगन्नाथ मंदिर में गाय की पूजा (गौ पूजा) की।

मकर संक्रांति के पुण्यकाल में गंगा व सागर के संगम में अब तक 85 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने मोक्ष की डुबकी लगाई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमृत 2.0 इंदौर जलप्रदाय योजना के पैकेज-1 अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में संचालित संकल्प से समाधान अभियान के संबंध में ली बैठक।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमृत 2.0 इंदौर जलप्रदाय योजना के पैकेज-1 अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमृत 2.0 इंदौर जलप्रदाय योजना के पैकेज-1 अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित किया।

जून में जो गलती की, उसे दोबारा न करे अमेरिका', ट्रंप की धमकी के बीच ईरान के विदेश मंत्री की चेतावनी

तेहरान,19 जनवरी (एजेंसी)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए उनसे विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी। उन्होंने ये भी कहा मदद आ रही है। इस पोस्ट के बाद कयास लगने लगे कि शायद अमेरिका, ईरान पर हमला कर सकता है। अब इन कयासों के बीच ईरान की सरकार ने चेतावनी दी है कि पिछली गलती न दोहराएं। माना जा रहा है कि ईरान ने जून 2025 में ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले से जोड़ते हुए ये बात कही। अमेरिकी चैनल के जरिए ईरानी विदेश मंत्री ने ट्रंप को दिया संदेशअमेरिकी मीडिया चैनल फॉक्स न्यूज के साथ बातचीत में ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला बोला। फॉक्स न्यूज के होस्ट ब्रेट बेयर ने जब ये सवाल किया कि क्या उनके पास राष्ट्रपति ट्रंप के लिए कोई संदेश है, जो प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए किसी तरह की कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं? इस पर ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मेरा संदेश है कि जून में आपने जो गलती की थी, उसे दोबारा न दोहराएं। आप जानते हैं, अगर आप एक असफल अनुभव को दोहराते हैं, तो आपको वही परिणाम मिलेगा।'

बड़ा हादसा : चलती ट्रेन पर क्रेन गिरी, 22 लोगों की मौत; 30 से ज्यादा घायल

बैंकॉक ,19 जनवरी (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक भीषण रेल हादसे में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब एक निर्माणाधीन परियोजना की क्रेन चलती ट्रेन के एक डिब्बे पर गिर गई, जिससे ट्रेन पटरी से उतर गई।एजेंसी के अनुसार, बैंकॉक से उत्तर-पूर्वी थाईलैंड जा रही यह ट्रेन नाखोन रत्चासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हादसे का शिकार हुई। यह इलाका बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। ट्रेन उबोन रत्चथानी प्रांत की ओर जा रही थी। नाखोन रत्चासिमा के स्थानीय पुलिस प्रमुख थचापोन चिन्नावोंग ने बताया कि हादसे में 22 यात्रियों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हाई-स्पीड रेल परियोजना पर अचानक गिर गई

पहली मेडिकल इवैकुएशन में 4 अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से धरती पर वापसी, नासा का ऐतिहासिक फैसला

केप ,19 जनवरी (एजेंसी)। कैनावेरल नासा ने इतिहास में पहली बार मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर वापस बुलाया है। हालांकि चालक दल के मध्य फरवरी 2026 तक कक्षा में रहने की उम्मीद थी।

नासा ने अपने 65 वर्षों के मानव अंतरिक्ष उड़ान इतिहास में पहली बार एक ऐतिहासिक और संवेदनशील फैसला लेते हुए मेडिकल इवैकुएशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्ढस्स्) से पृथ्वी पर वापस बुला लिया है। यह मिशन तय समय से एक महीने पहले ही समाप्त कर दिया गया।नासा, रूस और जापान के इन चार अंतरिक्ष यात्रियों ने बुधवार को स्पेस स्टेशन से विदाई ली और वे स्पेसएक्स कैप्सूल के जरिये गुरुवार तड़के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट के पास प्रशांत महासागर में उतरने वाले हैं। इस मिशन में शामिल नासा की अंतरिक्ष यात्री जेना कार्डमैन ने भावुक होते हुए कहा हमारी वापसी का समय अचानक बदला, लेकिन सबसे खूबसूरत बात यह रही कि यह टीम एक परिवार की तरह एक-दूसरे का ख्याल रखती रही।

हालांकि नासा ने उस अंतरिक्ष यात्री की पहचान उजागर नहीं की, जिसे चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता थी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्री की हालत स्थिर और सुरक्षित है तथा यह फैसला पूरी सावधानी के साथ लिया गया है ताकि धरती पर बेहतर मेडिकल जांच संभव हो सके।

नासा ने यह भी साफ किया कि यह कोई आपात स्थिति नहीं थी, लेकिन अंतरिक्ष में रहते हुए इलाज में देरी करना जोखिम भरा हो सकता था। इसलिए मिशन को छोटा करने का निर्णय लिया गया।स्पेस स्टेशन पर फिलहाल एक अमेरिकी और दो रूसी अंतरिक्ष यात्री मौजूद हैं। नासा और स्पेसएक्स अब फ्लोरिडा से नए दल की लॉन्चिंग की तारीख को आगे खिसकाने पर काम कर रहे हैं। नासा के नए प्रशासक जारेड आइजैकमैन ने इस फैसले पर कहा हमारे अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

अमेरिका के बाद इजरायल का बड़ा फैसला : संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से सभी संबंध खत्म

वॉशिंगटन,19 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से हटने के फैसले के बाद वैश्विक राजनीति में हलचल तेज हो गई है। अब इजरायल ने भी इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से तुरंत सभी संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। यह फैसला इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने लिया है। उन्होंने इन संगठनों पर लगातार पक्षपात, राजनीतिकरण और इजरायल-विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। इजरायल के इस कदम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है।बार-बार इजरायल के खिलाफ पूर्वाग्रह का आरोपइस फैसले की घोषणा इजरायल के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट के जरिए की। मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका के हालिया फैसले के बाद संबंधित संगठनों की समीक्षा की गई और अपने अनुभवों के आधार पर यह कदम उठाया गया।विदेश मंत्री गिदोन सार ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे संबंधित एजेंसियों के साथ तुरंत सभी संपर्क समाप्त करें। इसके साथ ही अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग की भी समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित सरकारी मंत्रालयों से परामर्श लिया जाएगा।इजरायल का कहना है कि इन संगठनों ने बार-बार उसके खिलाफ पूर्वाग्रही रवैया अपनाया, जिससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचा है। अमेरिका के फैसले में शामिल संगठनों की सूची के आधार पर इजरायल पहले ही चार संयुक्त राष्ट्र निकायों से नाता तोड़ चुका है।किन एजेंसियों से तोड़े गए संबंधइनमें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय भी शामिल है, जो सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के अधिकारों पर काम करता है। इजरायल का आरोप है कि इस कार्यालय ने वर्ष 2024 में इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) को ब्लैकलिस्ट किया था।दूसरी एजेंसी यूएन विमेन है, जो महिलाओं की समानता और सशक्तिकरण के लिए कार्य करती है। इजरायल का कहना है कि इस संगठन ने 7 अक्टूबर 2023 को इजरायली महिलाओं के साथ हुई यौन हिंसा की घटनाओं को नजरअंदाज किया। इजरायल के अनुसार, यह चुप्पी उसके लिए बेहद पीड़ादायक रही।तीसरी एजेंसी संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) है, जिस पर इजरायल ने दर्जनों इजरायल-विरोधी रिपोर्ट तैयार करने का आरोप लगाया है। इजरायल पहले से ही इस संगठन से दूरी बनाए हुए था और अब औपचारिक रूप से संबंध समाप्त कर दिए गए हैं।आगे और फैसलों के संकेतविदेश मंत्री सार ने स्पष्ट किया है कि अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग की भी गहन समीक्षा की जाएगी।

'ग्रीनलैंड पर ट्रंप के साथ...', रुबियो-वेंस संग बैठक के बाद डेनमार्क के विदेश मंत्री का बड़ा बयान

वॉशिंगटन ,19 जनवरी (एजेंसी) ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने मंगलवार को कहा था कि अगर हमें अभी और यहीं अमेरिका और डेनमार्क के बीच किसी को चुनना पड़े, तो हम डेनमार्क को चुनेंगे। हम नाटो को चुनेंगे। हम डेनमार्क साम्राज्य को चुनेंगे। हम यूरोपीय संघ को चुनेंगे।ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों के बीच डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों अमेरिका के दो शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद शीर्ष डेनिश अधिकारी ने बुधवार को कहा कि वॉशिंगटन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ हुई बातचीत के बाद भी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ ग्रीनलैंड को लेकर 'मौलिक असहमति' बनी हुई है। हालांकि, दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक कार्य समूह बनाने पर सहमत हुए, क्योंकि ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की मांग कर रहे हैं।'डेनमार्क की सीमा रेखाओं का सम्मान करें' :विदेश मंत्री रासमुसेनडेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने एक बहुप्रतीक्षित बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, 'हमारे विचार में समूह को अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, साथ ही डेनमार्क साम्राज्य की सीमा रेखाओं का भी सम्मान करना चाहिए।' इस बैठक में ग्रीनलैंड के विदेश मंत्री ने भी हिस्सा लिया था।अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह तर्क देने की कोशिश कर रहे हैं कि नाटो को दुनिया के सबसे बड़े द्वीप को हासिल करने में अमेरिका की मदद करनी चाहिए और उनका कहना है कि अमेरिकी नियंत्रण के अलावा कुछ भी अस्वीकार्य है।डेनमार्क क्यों बढ़ा रहा ग्रीनलैंड में नाटो के सैनिक?वहीं, डेनमार्क ने आर्कटिक और उत्तरी

अटलांटिक में देश की सैन्य उपस्थिति बढ़ाने की योजना की घोषणा की है, क्योंकि ट्रंप बार-बार यह दावा करके विशाल क्षेत्र पर अमेरिकी कब्जे के अपने आह्वान को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं कि चीन और रूस की ग्रीनलैंड पर अपनी नजरें हैं।वेंस और रुबियो ने नाटो सहयोगी डेनमार्क के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर चर्चा करने के लिए लोके रासमुसेन और ग्रीनलैंड की विदेश मंत्री विवियन मोट्जफेल्ड के साथ लगभग एक घंटे तक मुलाकात की।

वहीं, बैठक से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया साइट पर फिर से दोहराया कि अमेरिका को राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से ग्रीनलैंड की जरूरत है।इसके जवाब में अमेरिका और कनाडा में ग्रीनलैंड के प्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि आप हमसे क्यों नहीं पूछते? इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर ध्यान दिलाया कि द्वीप के निवासियों का बहुत कम प्रतिशत ही अमेरिका का हिस्सा बनने के पक्ष में है।

पता नहीं जिंदा कैसे हैं, अजीब हैं खाने की आदतें', ट्रंप की जंक फूड डाइट पर हेल्थ सेक्रेटरी का चौंकाने वाला बयान

वॉशिंगटन,19 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लाइफस्टाइल और खाने-पीने को लेकर एक बेहद दिलचस्प और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। यह खुलासा खुद उनके प्रशासन के हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर ने किया है। उन्होंने ट्रंप की खाने की आदतों को 'सबसे अजीब' बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति अक्सर इतना खराब खाना खाते हैं कि ऐसा लगता है वे अपने शरीर में जहर भर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी ऊर्जा का स्तर हैरान करने वाला है।मैकडॉनल्ड्स और डाइट कोक पर जिंदा हैं ट्रंपकैनेडी ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास हमेशा डाइट कोक का भारी स्टॉक रहता है। वे खाने में मैकडॉनल्ड्स का बर्गर, कैंडी और प्रोसेस्ड फूड सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। कैनेडी ने कहा कि अगर आप ट्रंप के साथ यात्रा करते हैं, तो आपको महसूस होगा कि वो पूरे दिन अपने शरीर में जहर भर रहे हैं। स्वास्थ्य सचिव ने हैरानी जताते हुए कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि ऐसी डाइट के बावजूद वो कैसे जिंदा हैं, लेकिन वे पूरी तरह फिट हैं।

गाजा के पुनर्निर्माण की शुरुआत, युद्धविराम का दूसरा चरण

गाजा ,19 जनवरी (एजेंसी)। पट्टी अमेरिका के मुताबिक गाजा युद्धविराम अब दूसरे चरण में पहुंच गया है। हालांकि, नई फलस्तीनी सरकार के स्वरूप को लेकर अभी तस्वीर साफ नहीं है। अमेरिका ने हमास से अंतिम मृत बंधक लौटाने की भी मांग की है। आइए जानते हैं इस दूसरे चरण में गाजा में क्या-क्या बदलेगा।गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष के बीच युद्धविराम को लेकर बड़ा संकेत सामने आया है। अमेरिका ने साफ किया है कि गाजा युद्धविराम योजना अब दूसरे चरण में प्रवेश कर चुकी है। इस चरण में हमास के निरस्त्रीकरण, गाजा के पुनर्निर्माण और रोजमर्रा के प्रशासन की नई व्यवस्था पर जोर दिया जाएगा। यह घोषणा ऐसे समय में आई है, जब क्षेत्र में स्थायी शांति को लेकर सवाल लगातार उठ रहे हैं।

ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि युद्धविराम समझौता अब उस चरण में है, जहां गाजा को सैन्य गतिविधियों से मुक्त करना, वहां एक तकनीकी प्रशासन स्थापित करना और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करना प्रमुख लक्ष्य है। उनके मुताबिक, यह चरण गाजा के भविष्य की दिशा तय करेगा।नई गाजा प्रशासन व्यवस्था कैसी होगी?अमेरिकी दूत ने संकेत दिए कि गाजा में एक अस्थायी, तकनीकी प्रशासन बनाया जाएगा, जो रोजमर्रा के कामकाज को संभालेगा। हालांकि, इस नई फलस्तीनी प्रशासनिक संरचना को लेकर अभी कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। व्हाइट हाउस की ओर से भी इस मुद्दे पर फिलहाल चुप्पी बनी हुई है, जिससे कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

हमास से क्या अपेक्षाएं रखी गई हैं?गाजा का पूरी तरह निरस्त्रीकरण।युद्धविराम समझौते के तहत सभी दायित्वों का पालन।अंतिम मृत बंधक को तुरंत लौटाना।किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि से दूरी बनाए रखना।अमेरिका ने साफ कहा है कि समझौते की सफलता काफी हद तक हमास के रुख पर निर्भर करेगी।

इस्त्राइल और क्षेत्रीय शांति का सवालगाजा में युद्धविराम के दूसरे चरण को इस्त्राइल और पूरे पश्चिम एशिया के लिए अहम

माना जा रहा है। यदि निरस्त्रीकरण और प्रशासनिक बदलाव सही तरीके से लागू होते हैं, तो इससे क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि बिना ठोस राजनीतिक समाधान के स्थायी शांति हासिल करना आसान नहीं होगा।दूसरे चरण की सफलता के बाद गाजा के पुनर्निर्माण पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ने की संभावना है। बुनियादी ढांचे, आवास और मानवीय सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी। लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि जमीन पर हालात और राजनीतिक इच्छाशक्ति ही तय करेगी कि यह युद्धविराम कितनी दूर तक टिक पाता है।

ट्रंप के बयानों से भड़का ईरान, अमेरिका पर हिंसा भड़काने का आरोप, संयुक्त राष्ट्र को लिखा पत्र

वॉशिंगटन ,19 जनवरी (एजेंसी)। ईरान इस समय आंतरिक अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए ईरान ने संयुक्त राष्ट्र का दरवाजा खटखटाया है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष अबुकर दाहिर उस्मान को पत्र लिखकर अमेरिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं।ईरान ने आरोप लगाया है कि अमेरिका उसके देश में हिंसा को भड़काने और बल प्रयोग की धमकी दे रहा है। पत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव और सुरक्षा परिषद से अमेरिका की ओर से दिए गए उकसाऊ बयानों और धमकियों की निंदा करने की मांग की गई है। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने लिखा था— ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखें। अपनी संस्थाओं पर कब्जा करें। मदद आ रही है। ईरान का कहना है कि इस तरह के बयान उसके आंतरिक मामलों में सीधा हस्तक्षेप हैं।इसी बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि उन्होंने ईरानी अधिकारियों के साथ होने वाली सभी बैठकों को रद्द कर दिया है। डेट्रॉइट इकोनॉमिक क्लब में संबोधन के दौरान ट्रंप ने कहा कि यह फैसला ईरान में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा, जब तक प्रदर्शनकारियों की बेमतलब हत्याएं बंद नहीं होतीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं।यह बयान उस घोषणा के एक दिन बाद आया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ व्यापार करने वाले किसी भी देश पर अमेरिका के साथ होने वाले सभी व्यावसायिक लेन-देन पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।ट्रंप ने जिन लोगों को 'ईरानी देशभक्त' बताया, उनसे विरोध जारी रखने और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों का दस्तावेजीकरण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ईरान में मौतों के आंकड़े अलग-अलग बताए जा रहे हैं, लेकिन जवाबदेही तय की जाएगी। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, एक मौत भी बहुत ज्यादा है और इसके जिम्मेदारों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

सम्पादकीय...

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है। हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700-750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है। मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'। दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवतः चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

सीनियर और युवा नेताओं के बीच संतुलन स्थापित करना नितिन नबीन के लिए होगी बड़ी चुनौती

संतोष कुमार पाठक

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तारीख जारी हो गई है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी बनाए गए डॉ के.लक्ष्मण ने चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। संगठन पर्व - 2024 के तहत जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक, पार्टी ने शुक्रवार को ही निर्वाचक मंडल सूची का प्रकाशन कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 19 जनवरी से शुरू हो जाएगी। 19 जनवरी को ही दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किया जा सकता है। इसी दिन शाम को 4 से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। शाम 5 से 6 बजे तक नाम वापस लिया जा सकता है। अगर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए एक से अधिक नेता नामांकन भरेंगे तो 20 जनवरी को चुनाव करवाया जाएगा। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद के लिए बीजेपी में कभी भी चुनाव की नौबत नहीं आई है। इसलिए यह तय माना जा रहा है कि 20 जनवरी को सर्वसम्मति से पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन के चुने जाने का ऐलान कर दिया जाएगा।

हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए नितिन नबीन के पूर्णकालिक अध्यक्ष बनने के साथ ही पार्टी में नए और बड़े बदलाव की शुरुआत हो जाएगी। नितिन नबीन बीजेपी के न केवल सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे बल्कि वह पार्टी के पहले ऐसे राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे जिनका जन्म पार्टी की स्थापना के बाद हुआ है। बीजेपी की स्थापना 6 अप्रैल 1980 को हुई थी जबकि नितिन नबीन का जन्म इसके 47 दिन बाद 23 मई 1980 को हुआ था। ऐसे में अब बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह साबित करने की भी है कि युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की ताजपोशी सिर्फ प्रतीकात्मक बदलाव का पर्याय भर बन कर न रह जाए। वहीं नई बीजेपी में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका दिया जाना बहुत जरूरी है। यही वजह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद बिहार से आने वाले इन युवा नेता के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी टीम का गठन करना होगा। पार्टी संविधान के मुताबिक, पार्टी में सर्वोच्च फैसला लेने वाली इकाई पार्टी का संसदीय बोर्ड है। इसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति का नंबर आता है जो चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन करता है। फिलहाल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष जेपी नड्डा है लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाने के बाद नितिन नबीन ही पार्टी का फैसला लेने वाले इस सर्वोच्च इकाई के अध्यक्ष होंगे। वर्तमान में नड्डा के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, अमित शाह, बी एस येदियुरप्पा, सर्बानंद सोनोवाल, के.लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव और सत्यनारायण जटिया संसदीय बोर्ड के सदस्य हैं। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष संसदीय बोर्ड के सचिव के तौर पर इसमें शामिल हैं। इनमें से बीएल संतोष को छोड़कर बाकी सभी नेता 60 से ज्यादा उम्र के हैं। संसदीय बोर्ड के ये सारे सदस्य पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के भी सदस्य हैं। संसदीय बोर्ड में शामिल इन 11 नेताओं के अलावा भूपेन्द्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, और वनथी श्रीनिवासन केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल हैं। सरकार के नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नितिन नबीन की अध्यक्षता वाले पार्टी के संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति दोनों में ही शामिल रहेंगे। वहीं सरकार और पार्टी के अहम नेता के तौर पर अमित शाह भी इन दोनों समितियों का हिस्सा रहेंगे। लेकिन युवा नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी देने के लक्ष्य और नई बीजेपी के गठन के लिए कई दिग्गज नेताओं को इससे बाहर जाना ही पड़ेगा। इन दोनों समितियों का पुनर्गठन करने के बाद पार्टी अध्यक्ष के तौर पर नितिन नबीन को अपनी राष्ट्रीय टीम - यानी राष्ट्रीय उपाध्यक्षों, राष्ट्रीय महासचिवों, राष्ट्रीय सचिवों और राष्ट्रीय प्रवक्ताओं के साथ-साथ विभिन्न मोर्चों , समितियों और विभागों के मुखियाओं की भी नियुक्ति करनी पड़ेगी।

यह बात तो साफ है कि ये सारे फैसले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सहमति से ही लिए जाएंगे। हालांकि राजनाथ सिंह और वसुंधरा राजे सिंधिया जैसे नेताओं के बारे में अंतिम फैसला करने से पहले संघ से भी चर्चा की जाएगी। पार्टी की राष्ट्रीय टीम में ऐसे कई अन्य नेता भी शामिल हैं जो अपने-अपने राज्यों के मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं और इसलिए उन्हें हटाने से पहले कई समीकरणों का ध्यान भी रखना पड़ेगा। ऐसे में यह देखना बहुत दिलचस्प रहेगा कि नितिन नबीन इन तमाम चुनौतियों से निपटते हुए अपनी नई टीम कैसे तैयार कर पाते हैं और कैसे तमाम उम्र के नेताओं यानी सीनियर एवं युवा के बीच संतुलन बना पाने में कामयाब हो पाते हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता जाल: क्या अब बड़े सुधारों का समय आ गया है?

पद्मश्री राम सरन वर्मा

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ की एक बड़ी आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है।देश की बढ़ती खाद्य माँग को पूरा करने के उद्देश्य से पिछले कई दशकों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग निरंतर बढ़ाया गया है।शुरुआती दौर में इन उर्वरकों ने उत्पादन बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद की, लेकिन आज इनके अंधाधुंध और अनियंत्रित उपयोग के कारण कृषि, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडराने लगा है।

उर्वरकों की खपत के भयावह आंकड़े

देश में रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग का अंदाज़ा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2018-2019 में जहाँ 115 करोड़ बैग की खपत हुई थी, वहीं 2024-25 के दौरान यह आंकड़ा 150 करोड़ बैग को पार कर गया है।गौर करने वाली बात यह है कि भारत की जनसंख्या लगभग 143 करोड़ है, जबकि उर्वरकों की खपत 150 करोड़ बैग से भी अधिक हो चुकी है।यह असंतुलन न केवल चिंताजनक है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़े खतरे का संकेत भी है।

सेहत और मिट्टी पर दोहरी मार

रासायनिक उर्वरकों का असर अब हमारे थाल तक पहुँच चुका है।गेहूँ, चावल, दालें, सब्जियाँ, फल और यहाँ तक कि दूध, दही और घी भी इनके रसायनों से अछूते नहीं रहे हैं।इसके परिणामस्वरूप देश में कैंसर, हृदय घात, एलर्जी और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं।

खेतों की स्थिति भी कम सोचनीय नहीं है।नियमानुसार, उर्वरकों का उपयोग केवल पौधों की जड़ों के पास होना चाहिए, लेकिन पूरे खेत में इनके छिड़काव से खरपतवार की समस्या बढ़ जाती है।इस खरपतवार को खत्म करने के लिए फिर भारी मात्रा में खरपतवार-नाशक दवाओं का उपयोग होता है, जो मिट्टी की उर्वरता को नष्ट कर देती हैं।मिट्टी की खोई हुई शक्ति वापस पाने के लिए किसान और अधिक खाद डालता है, और यह दुष्चक्र हर साल मिट्टी को और अधिक बंजर बनाता जा रहा है।

अर्थव्यवस्था पर बोझ और कालाबाजारी—उर्वरक क्षेत्र में बढ़ता निवेश देश की अर्थव्यवस्था पर भी भारी पड़ रहा है।वर्तमान में देश में प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख करोड़ रुपये (सब्सिडी सहित) के रासायनिक उर्वरकों का उपयोग हो रहा है।विडंबना यह है कि हमारा उर्वरक उद्योग 80 प्रतिशत तक विदेशी कच्चे माल या आयातित उर्वरकों पर निर्भर है।कुल 3 लाख करोड़ रुपये में से 2.5 लाख करोड़ रुपये केवल आयात में खर्च हो जाते हैं।इस प्रकार, एक ओर हमारी भूमि बंजर हो रही है, तो दूसरी ओर देश की बड़ी पूंजी विदेशों में जा रही है। सरकार किसानों के कल्याण के लिए भारी सब्सिडी दे रही है।पिछले 10 वर्षों में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी प्रदान की गई है।इसी सब्सिडी के कारण 40 रुपये प्रति किलो वाली यूरिया खाद किसानों को 6 रुपये प्रति किलो से भी कम दाम पर उपलब्ध है।स्थिति यह है कि यूरिया आज पशुओं के चारे से भी सस्ता हो गया है।सरकार 85 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है ताकि किसानों को यूरिया एक चाय के कप से भी कम कीमत पर मिले।लेकिन इसी कम कीमत का लाभ उठाकर बिचौलिए इसकी कालाबाजारी करते हैं और कृषि के बजाय इसका उपयोग प्लाईवुड कारखानों, कैटल फीड और मिलावटी दूध बनाने में कर रहे हैं।

सुधार की राह और समाधान

इस संकट से उबरने के लिए अब ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।पहले खेतों से निकलने वाले अवशेषों का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता था, जिससे मिट्टी का %जैविक कार्बन% बना रहता था।आज इन अवशेषों को बेचने से किसानों को कुछ लाभ तो होता है, लेकिन वह रासायनिक उर्वरकों की वास्तविक लागत के मुकाबले बहुत कम है।

सरकार को चाहिए कि वह रासायनिक उर्वरकों के बैग का वजन कम कर उसकी जगह जैविक खाद के विकल्प उपलब्ध कराए।साथ ही, अत्यधिक उर्वरक उपयोग वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष निगरानी दल गठित किए जाने चाहिए।

धरती की सेहत सुधारने के लिए जरूरी सुझाव:

1. हरी खाद का अधिक इस्तेमाल: जिस तरह शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग आवश्यक है, उसी तरह से मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए हरी खाद अनिवार्य है।

2. पौधों का विकास: जैविक खाद के प्रयोग से पौधों की जड़ों को फैलने और गहराई तक जाने का पर्याप्त अवसर मिलता है।

3. वैज्ञानिक फसल चक्र: एक ही तरह की फसल बार-बार उगाने के बजाय फसल चक्र बदलें।जैसे दलहनी फसलें जमीन के गहरे स्तर से पोषक तत्व लेती हैं, जबकि गेहूं और धान ऊपरी सतह से।

4. उन्नत सिंचाई तकनीक:ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) अपनाएं और खेती से पहले भूमि को समतल करें।इससे पानी की बचत होगी और उर्वरक सीधे पौधों पर कारगर तरीके से काम करेंगे।

5. यूरिया का कुशल उपयोग:ज्यूरिया का छिड़काव शाम के समय अधिक प्रभावी होता है, जिससे कम खाद में बेहतर परिणाम मिलते हैं। 6. पशुधन और जैविक संतुलन:पशुपालन को बढ़ावा दें ताकि गोबर की खाद का उपयोग बढ़े।इससे उत्पादन क्षमता दीर्घकालिक बनी रहेगी और मिट्टी को भी विश्राम मिलेगा।

यदि हमने आज मिट्टी नहीं बचाई, तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित नहीं रहेगा। समय आ गया है कि हम रसायनों के इस मोह को छोड़कर प्रकृति की ओर लौटें।

(यह लेखक के अपने विचार है)

विकास के नाम पर सिर्फ बढ़ता प्रदूषण

हरिशंकर व्यास

एक पुरानी कहावत है, 'खाया पिया कुछ नहीं गिलास फोड़ा बारह आना।' प्रदूषण के मामले में वही हाल भारत का है। लंदन से लेकर बीजिंग तक दुनिया भर के देशों की राजधानियों और दूसरे शहरों में एक समय प्रदूषण का साया रहा लेकिन वह इसलिए रहा क्योंकि उन देशों और शहरों में औद्योगिक विकास हो रहा था। लंदन में प्रदूषण का संकट पहली औद्योगिक क्रांति के बाई प्रोडक्ट की तरह आया। बाद में इन शहरों ने प्रदूषण दूर भी कर लिया। लेकिन भारत में कोई औद्योगिकीरण नहीं हुआ लेकिन प्रदूषण चौतरफा फैल गया। अगर उद्योग धंधे लगते, औद्योगिक विकास हो रहा होता, चीन की तरह भारत दुनिया की फैक्टरी बन रहा होता, लोगों की आमदनी बढ़ रही होती और उसी अनुपात में बुनियादी सुविधाओं का विकास हो रहा होता तो हवा के प्रदूषण को समझा जा सकता था। माना जाता है कि देश विकास कर रहा है इसलिए प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। और तब यकीन भी होता कि एक दिन भारत प्रदूषण की समस्या से निजात पा जाएगा।

लेकिन भारत में प्रदूषण की समस्या विकास का बाई प्रोडक्ट नहीं है, बल्कि अव्यवस्था का मुख्य उत्पाद है। भारत में अगर ठीक से सफाई हो जाए तो प्रदूषण की समस्या 20 फीसदी कम हो जाएगी। इसके लिए सड़कों पर सफाई और कचरा उठाने का बंदोबस्त करना होगा। लेकिन वह भी नहीं हो पाता है। स्थानीय प्राधिकरण सफाई नहीं करा पाता है और उलटे अनियमित निर्माण की अनुमति देता है, जिसकी कोई निगरानी नहीं होती है। देश में योजनाबद्ध तरीके से बसे शहरों की गिनती की जाए तो संख्या दो अंकों में नहीं पहुंचेगी। बाकी ऐसे ही गांवों, कस्बों में या सड़कों के किनारे शहर उग आए हैं या शहर फैल कर गांवों और कस्बों तक पहुंच गए हैं, जहां शहर की कोई व्यवस्था नहीं है। चारों तरफ बेतरतीब तरीके से निर्माण हो रहा है। नदियों और तालाबों को भर कर मकान और दुकान बनाए जा रहे हैं। इसी तरह बेहिसाब गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन हो रहे हैं। शहरों में फैली गंदगी और गाड़ियों का धुआं प्रदूषण का मुख्य कारण है।

पिछले दिनों केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वीकार किया कि देश के प्रदूषण में बड़ा योगदान गाड़ियों का है। लेकिन वे क्या कर सकते हैं? सरकार इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर सब्सिडी दे रही है लेकिन पेट्रोल व डीजल की गाड़ियां ज्यादा सस्ती हैं तो लोग उसे खरीद रहे हैं। दोनों तरह की गाड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। गाड़ियों के चलने के लिए सड़क नहीं है और न ट्रैफिक मैनेजमेंट का कोई उपाय है। हर साल सर्दियों में कहा जाता है कि अगर ट्रैफिक रेगुलेट कर दिया जाए और जाम लगना कम हो जाए तो प्रदूषण में कितनी कमी आ सकती है। लेकिन हर साल सर्दियों के साथ जाम भी बढ़ता जाता है और प्रदूषण भी बढ़ता जाता है।

एआर रहमान ने हिंदी सिनेमा जगत को धर्म के चश्मे से देखकर बड़ी गलती कर दी है

नीरज कुमार दुबे

संगीत जगत के सबसे प्रभावशाली नामों में शुमार एआर रहमान इन दिनों चर्चा में हैं, लेकिन वजह उनकी कोई नई रचना नहीं, बल्कि वह बयान हैं जिनमें उन्होंने कथित रूप से अपने धर्म के कारण पिछले लगभग एक दशक से हिंदी फिल्म उद्योग में काम कम मिलने का संकेत दिया। जिस तरह से उनके इन बयानों को हिंदी सिनेमा जगत की कई वरिष्ठ और प्रतिष्ठित हस्तियां सिरे से खारिज कर रही हैं, वह साफ करता है कि प्रख्यात संगीतकार ने बॉलीवुड को धर्म के चश्मे से देखकर एक बुनियादी भूल की है। हिंदी सिनेमा एक ऐसा मंच रहा है जहां पहचान नहीं, बल्कि प्रतिभा निर्णायक रही है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस उद्योग ने रहमान को सिर आंखों पर बैठाया, उसी के स्वभाव को वह आज तक नहीं समझ पाए, यह हैरानी का विषय नहीं तो और क्या है?

हम आपको बता दें कि बीबीसी एशियन नेटवर्क को दिये गये इस साक्षात्कार में एआर रहमान ने कहा, %%फिल्म उद्योग में सत्ता संतुलन बदला है और संभव है कि इसके पीछे कोई साम्प्रदायिक पहलू भी हो, हालांकि यह बात उनके सामने सीधे तौर पर कभी नहीं आई।%% एआर रहमान के अनुसार उन्हें यह सब सीधे नहीं बताया जाता, बल्कि कानों कान खबर के रूप में पता चलता है। उनका कहना है कि वह काम की तलाश में नहीं रहते, बल्कि चाहते हैं कि उनके काम की सच्चाई खुद काम को उनकी ओर खींच लाए। उन्होंने इसे अपनी आस्था और कार्यशैली से जोड़ा और कहा कि वह जबरन अवसर खोजने में विश्वास नहीं रखते।

दिलचस्प बात यह है कि नब्बे के दशक में जब रहमान ने हिंदी फिल्म जगत में कदम रखा, तब उन्हें किसी भेदभाव का अनुभव नहीं हुआ। वह कहते हैं कि शायद उस समय ईश्वर ने ऐसी बातों से उन्हें दूर ही रखा। लेकिन हाल के वर्षों में परिस्थितियां बदली हैं। उनके अनुसार अब निर्णय की शक्ति कई बार ऐसे लोगों के हाथ में है जिनका रचनात्मकता से सीधा संबंध नहीं है। कभी कभी यह भी सुनने में आता है कि किसी परियोजना के लिए उन्हें चुना गया था, लेकिन बाद में संगीत कंपनी ने अन्य संगीतकारों को साथ लेकर काम कर लिया।

साक्षात्कार में रहमान ने यह भी कहा कि वे ऐसी फिल्मों से दूरी बनाने की कोशिश करते हैं जिनकी मंशा उन्हें ठीक नहीं लगती। इसी संदर्भ में उनसे हाल में आई एक ऐतिहासिक फिल्म में उनके काम को लेकर सवाल किया गया था। उन्होंने स्वीकार किया कि फिल्म विभाजन की भावना पर आधारित लग सकती है, लेकिन उनका मानना है कि इसका मूल उद्देश्य साहस और शौर्य को दिखाना था। उन्होंने यह भी कहा कि दर्शक इतने समझदार हैं कि वह सच्चाई और चालाकी में फर्क कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है, फरवरी 2025 में प्रदर्शित हुई और ऐतिहासिक तथ्यों को लेकर तीखी बहस के बावजूद व्यापारिक रूप से अत्यंत सफल रही। इसकी कुल कमाई लगभग सात सौ करोड़ रुपये बताई गई।

दूसरी ओर, रहमान की टिप्पणी ने कला जगत में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। वरिष्ठ गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने इस विचार से असहमति जताई है। उनका कहना है कि उन्होंने कभी ऐसा माहौल महसूस नहीं किया। जावेद अख्तर ने कहा कि मुंबई में रहमान को अपार सम्मान मिलता है लेकिन कई छोटे निर्माता उनसे संपर्क करने में हिचकिचाते हैं। उनका मानना है कि रहमान की व्यस्त अंतरराष्ट्रीय जीवनशैली भी काम कम होने का एक कारण हो सकती है, न कि कोई साम्प्रदायिक तत्व।

वहीं लेखिका और स्तंभकार शोभा डे ने रहमान की टिप्पणी को खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों के अनुभव में उन्होंने हिंदी फिल्म उद्योग को प्रतिभा के आधार पर चलने वाला क्षेत्र पाया है, जहां धर्म आड़े नहीं आता। गायक शान ने भी इसी तरह की राय रखते हुए कहा कि काम मिलना या न मिलना व्यक्तिगत परिस्थितियों और पसंद नापसंद पर निर्भर करता है। ऐसी ही टिप्पणियां कई अन्य कलाकारों की भी रहीं।

देखा जाये तो एआर रहमान की यह आशंका कि हिंदी फिल्म उद्योग में उनके लिए अवसर कम होने के पीछे कोई साम्प्रदायिक कारण हो सकता है, न केवल कमजोर तर्क पर आधारित दिखती है बल्कि बॉलीवुड के लंबे इतिहास और वर्तमान सच्चाई से भी मेल नहीं खाती। हिंदी सिनेमा की बुनियाद ही विविधता, समावेश और प्रतिभा की स्वीकृति पर टिकी रही है। यहां धर्म नहीं, बल्कि दर्शकों से जुड़ने की क्षमता और काम की गुणवत्ता निर्णायक रही है। अगर बॉलीवुड में सचमुच धर्म के आधार पर भेदभाव होता, तो यह कल्पना भी संभव नहीं होती कि पिछले तीन दशकों से उद्योग के सबसे बड़े सितारे तीन मुसलमान कलाकार होते। शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान न केवल व्यावसायिक सफलता के शिखर पर हैं, बल्कि उन्हें देश के हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र से अपार प्रेम मिला है। उनके प्रशंसकों की संख्या लगातार बढ़ती रही है और उनकी फिल्मों ने सैंकड़ों करोड़ रुपये का कारोबार किया है। यह तथ्य अपने आप में इस धारणा को खारिज करने के लिए पर्याप्त है कि बॉलीवुड में धर्म किसी कलाकार की राह रोकता है।

हिंदी फिल्म उद्योग में संगीत, लेखन, अभिनय और निर्देशन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में अनगिनत उदाहरण हैं, जहां कलाकारों को उनकी पहचान या आस्था के कारण नहीं, बल्कि उनके हुनर के कारण स्वीकार किया गया। जावेद अख्तर, सलीम खान, मजरूह सुल्तानपुरी और नौशाद जैसे नाम इस बात की गवाही देते हैं कि यह उद्योग प्रतिभा को सिर आंखों पर बैठाता है। एआर रहमान निस्संदेह एक महान संगीतकार हैं और उनके योगदान पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता। लेकिन बदलते दौर में काम की मात्रा कम या ज्यादा होना कई व्यावसायिक और रचनात्मक कारणों से जुड़ा हो सकता है। इसे सीधे साम्प्रदायिक नजरिये से देखना न तो उद्योग के साथ न्याय करता है और न ही स्वयं रहमान की उस वैश्विक छवि के साथ, जो संगीत को सीमाओं और पहचानों से परे मानती है।

आज जरूरत इस बात की है कि ऐसे कयासों की बजाय आत्मविश्लेषण और बदलती कार्यप्रणाली को समझा जाए। बॉलीवुड को संदेह के कटघरे में खड़ा करने की बजाय, रहमान जैसे कलाकारों को अपनी ही विरासत पर भरोसा रखना चाहिए। यह उद्योग आज भी उसी सिद्धांत पर चलता है जिस पर वह दशकों से चलता आया है यानि प्रतिभा ही सबसे बड़ा धर्म है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सुवेंदु ने ममता बनर्जी के खिलाफ 100 करोड़ की मानहानि का दायर किया मुकदमा

कोलकाता,19 जनवरी [एजेंसी]। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ कोलकाता के अलीपुर कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया।इसमें सुवेंदु ने ममता द्वारा हाल में कथित तौर पर उन्हें कोयला घोटाले से जोड़ने के लिए 100 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है। सुवेंदु ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ममता को भेजे गए मानहानि नोटिस का जवाब नहीं मिलने के बाद उन्होंने यहां अलीपुर कोर्ट में सिविल जज, सीनियर डिवीजन की अदालत में यह मुकदमा दायर किया। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए काम करने वाली राजनीतिक सलाहकार फर्म आई-पैक के परिसरों पर हाल में ईडी की छापेमारी से बिफरीं ममता ने बीते आठ जनवरी को सुवेंदु अधिकारी पर कोयला घोटाले में शामिल होने और इसका पैसा गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचाने का गंभीर आरोप लगाया था। ममता ने इसका सुबूत होने का भी दावा किया था। हालांकि उन्होंने कोई सुबूत नहीं पेश किया। इसके बाद सुवेंदु ने अगले ही दिन नौ जनवरी को ममता को कानूनी नोटिस भेजकर 72 घंटों के भीतर सुबूत पेश करने को कहा था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मुख्यमंत्री ऐसा करने में विफल रहती हैं तो उनके खिलाफ दीवानी और आपराधिक मानहानि की कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि तृणमूल कांग्रेस की तरफ से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

रक्षा क्षेत्र में बड़ी छलांग: 114 राफेल खरीद को डीपीबी की हरी झंडी, अगले महीने तक फ्रांस से अंतिम समझौता संभव

नईदिल्ली, 19 जनवरी [एजेंसी]। देश की वायु रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा खरीद बोर्ड (डीपीबी) ने फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा सूत्रों के अनुसार अब यह प्रस्ताव रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) के समक्ष रखा जाएगा, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति से अंतिम स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। भारतीय वायु सेना ने पिछले वर्ष रक्षा मंत्रालय को 114 राफेल विमानों की आवश्यकता संबंधी औपचारिक प्रस्ताव सौंपा था। सूत्रों का कहना है कि भारत और फ्रांस के बीच इस सौदे पर अगले महीने तक अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

यह सौदा अंतर-सरकारी समझौते (जी-टू-जी) के तहत होगा, जिससे बिना किसी बिचौलिए के सीधी खरीद और पारदर्शी डिलीवरी सुनिश्चित होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष अप्रैल में भारत ने नौसेना के लिए 63 हजार करोड़ रुपये की लागत से 26 राफेल-मरीन लड़ाकू विमानों की खरीद का समझौता किया था। इसमें 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर ट्रेनर विमान शामिल हैं, जिनकी आपूर्ति 2031 तक पूरी होने की संभावना है। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना ने इनोवेशन फार डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स) के तहत एक महत्वपूर्ण खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सेना ने बीते मंगलवार को स्वदेशी एम्प्रेसा प्रा. लि. के साथ अग्निशमन रोबोट की खरीद का करार किया। यह करार भारतीय सेना के कैपेबिलिटी डेवलपमेंट निदेशालय में संपन्न हुआ। यह रोबोट मूल रूप से भारतीय नौसेना के लिए आईडेक्स ढांचे के तहत विकसित किया गया था, लेकिन सिंगल स्टेज कंपोजिट ट्रायल के प्रविधान का उपयोग करते हुए सेना ने पहली बार किसी सहयोगी सेवा के लिए विकसित उत्पाद की सीधी खरीद की है। अग्निशमन रोबोट एक ठोस और बहुउपयोगी मानव रहित ग्राउंड व्हीकल है, जो आग जैसी खतरनाक परिस्थितियों में सुरक्षित दूरी से कार्य कर सकता है। इससे आपात स्थितियों में अग्निशमन कार्य के दौरान जवानों की सुरक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उत्तराखंड में 2.80 लाख लोगों तक पहुंची धामी सरकार शिकायतों के निस्तारण में बना दिया नया रिकॉर्ड

देहरादून,19 जनवरी (एजेंसी)। उत्तराखंड में सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम ने सुशासन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता दर्ज की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेशभर में आयोजित शिविरों के माध्यम से लाखों नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया है, जिससे प्रशासन की जवाबदेही और पारदर्शिता और अधिक मजबूत हुई है। प्रदेश में इस कार्यक्रम के तहत अब तक विभिन्न जिलों में कुल 363 शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में कुल 2,80,030 नागरिकों ने भाग लिया ।शिविरों के दौरान प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 29,086 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है, जबकि 19,491 शिकायतें पंजीकृत की गई हैं। इसके साथ ही नागरिकों की सुविधा के लिए 39,689 विभिन्न प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिससे प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल बनी हैं। कार्यक्रम के माध्यम से अब तक 1,58,239 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य शासन को जनता के द्वार तक ले जाना और प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है।

कर्तव्य पथ से लाल किला तक सजेगी दिल्ली, रंग और सजवट के बीच आवारा कुत्ते और बंदर भी पकड़ने का बनाया गया प्लान

झनईदिल्ली, 19 जनवरी [एजेंसी]। गणतंत्र दिवस की परेड को लेकर नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली की सड़कों को सजाया जा रहा है। खासकर कर्तव्य पथ, तिलक मार्ग और सुभाष मार्ग पर विशेष तैयारियां हैं। इन मार्गों के रंग रोगन के साथ मरम्मत का कार्य तेज है। फुटपाथ और डिवाइडर की हरियाली को बेहतर किया जा रहा है। इस क्रम में आवारा कुत्तों व बंदरों को भी पकड़ने का क्रम तेज है। एमसीडी के एक अधिकारी ने बताया कि आईटीओ से लाल किला तक का मार्ग एमसीडी के तहत आता है। वहां कुत्तों को पकड़ने के लिए टीमें लगाई गई है। इसी तरह, बंदरों की समस्या बहुत हैं तो उन्हें भी पकड़ा जा रहा है।चांदनी चौक क्षेत्र में भिखारियों तथा बेघरों की समस्या अधिक है तो उन्हें हटाया जा रहा है। इस प्रक्रिया में पीडब्ल्यूडी, डूसिब समेत अन्य विभाग भी लगे हुए हैं। अधिकारी के अनुसार, परेड मार्ग व आस-पास के करीब 200 आवारा कुत्तों को पकड़ने का लक्ष्य है। पहली बार परेड मार्ग पर आइटीओ से लाल किला तक तोरणद्वार लगाने की भी तैयारी है। इसके लिए चांदनी चौक के बाजार संगठनों से सहयोग मांगा गया है। इन तोरणद्वार पर वीर सेनानियों की भी तस्वीरें लगी होंगी। जो वहां से गुजरने वाली परेड के साथ आम लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करेगी ।स्थानीय निवासियों ने आवारा कुत्तों की समस्या को गंभीर बताते हुए कहा कि यह अभियान पूरे वर्ष क्यों नहीं चलते हैं। दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने कहा कि पुरानी दिल्ली में न सिर्फ आवारा कुत्ते व बंदर बल्कि बेसहारा पशुओं की भी बड़ी समस्या है। उसकी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होती।

सांगवान ने रालोद हरियाणा अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा, कई अन्य पदाधिकारियों ने भी छोड़ी पार्टी

चरखी दादरी, 19 जनवरी [एजेंसी]। दादरी के पूर्व विधायक और राष्ट्रीय लोकदल के हरियाणा इकाई के अध्यक्ष जगजीत सिंह सांगवान ने अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने और प्रदेश कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों ने रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी को अपना इस्तीफा भेज दिया है। गौरतलब है कि दिनांक 30.07.2025 को ही रालोद प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा हुई थी, जिसमें मुख्यत 6 प्रदेश उपाध्यक्ष, 9 प्रदेश महासचिव, 10 प्रदेश सचिव व 1 कोषाध्यक्ष की नियुक्ति हुई की गई थी।प्रदेश अध्यक्ष जगजीत सिंह सांगवान के साथ प्रदेश कार्यकारिणी में इस्तीफा देने वालों में पांच प्रदेश उपाध्यक्ष मेवा सिंह पातड- हिसार, राजकुमार जांगड़ा- चरखी दादरी, संपूर्ण आनंद- गुरुग्राम, अजय सिंह मालिक- सोनीपत, जगत सिंह यादव- नारनौल शामिल हैं। इनके अलावा 7 प्रदेश महासचिव, जिनमें जसबीर सिंह अहलावत- जींद, कृष्ण कुमार देसवाल- करनाल, राजनरायन पंघाल- रोहतक, ओमप्रकाश सरदाना- फतेहाबाद, ब्रह्मानंद- भिवानी, अंकुर दीक्षित- रेवाड़ी, मास्टर हवासिंह सोनी- तोशाम ने भी इस्तीफा दिया। इनके साथ ही 9 सचिव उमेद सरपंच- हिसार, महेंद्र कुमार- यमुनानगर, राजेश- भिवानी, आजाद नेहरा- रेवाड़ी, सुशील गहलोत- सोनीपत, महेंद्र शर्मा चेयरमैन- चरखी दादरी, कपिल कुमार- झज्जर, कृपाल सिंह तंवर- कुरुक्षेत्र एवं अशोक अहलावत- झज्जर भी इस्तीफा देने वालों में शामिल रहे। कोषाध्यक्ष मोहन नारंग फतेहाबाद ने भी अपना इस्तीफा दिया।

बिहार पंचायत चुनाव तैयारियों की समीक्षा मंत्री ने तकनीकी नवाचार पर दिया बल

पटना, 19 जनवरी [एजेंसी]। राज्य निर्वाचन आयोग में शुक्रवार को पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश ने पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों में अपनाई गई तकनीकी पहल की समीक्षा की। उन्होंने दिसंबर में होने वाले पंचायत चुनाव तैयारियों में तकनीकी नवाचारों की विस्तृत जानकारी ली। साथ ही चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, प्रभावी व तकनीक-सक्षम बनाने पर विशेष बल दिया।इससे पहले आयोग की ओर से तकनीकी नवाचारों पर आधारित पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। इसमें अब तक हुए चुनावी परिवर्तनों, मतदाता पहचान के लिए फेस रिकाग्निशन सिस्टम (एफआरएस), ओसीआर आधारित मतगणना पद्धति, मल्टी-पोस्ट ईवीएम, तकनीकी आधारित निर्वाचन सुधार, अधिनियम व नियमों में संभावित संशोधन, चुनावी योजना, लाजिस्टिक्स और बजट प्रबंधन जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि तकनीक के अधिकतम उपयोग से चुनाव प्रक्रिया में भरोसा और पारदर्शिता दोनों बढ़ती है।अब तक संपन्न पंचायत चुनावों में किए गए तकनीकी नवाचारों की प्रशंसा की। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त डा. दीपक प्रसाद एवं सचिव मुकेश कुमार सिन्हा के अतिरिक्त अन्य अधिकारी सम्मिलित हुए।राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर परिषद खगौल (जिला पटना) के विस्तारित क्षेत्र के लिए प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्ड) के गठन एवं संख्यांकन (परिसीमन) का प्रारूप प्रकाशन कर दिया है। अब तीन फरवरी तक आपत्ति कर सकते हैं। इसके लिए नागरिक जिला निर्वाचन कार्यालय या अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

दिल्ली के छह जिलों में मिनी सचिवालयों के निर्माण स्थल तय, जल्द शुरू होगा काम, PWD को जिम्मेदारी

नई दिल्ली 19 जनवरी। दिल्ली सरकार ने शहर भर में जिला-स्तरीय मिनी सचिवालयों के निर्माण के लिए छह जगहों को फाइनल कर दिया है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार पूर्वी दिल्ली जिले का मिनी सचिवालय मंडावली में, उत्तर-पश्चिम जिले का मिनी सचिवालय कंझावला में, दक्षिण जिले का साकेत में और द्वारका सेक्टर 10 में दक्षिण-पश्चिम जिले का मिनी सचिवालय बनेगा। दक्षिण-पूर्व जिला और उत्तर-पश्चिम जिले के कार्यालय वहां के डीएम कार्यालय में बनाए जाएंगे। विभाग ने इस परियोजना पर काम करने के लिए परियोजना विंग को जिम्मेदारी भी सौंप दी है। द्वारका सेक्टर 10 में दक्षिण-पश्चिम जिले का मिनी सचिवालय के लिए सरकार ने कुछ दिन पहले राशि की मंजूरी भी दे दी है। पीडब्ल्यूडी के आदेश में कहा गया है कि सक्षम अधिकारी ने यह फैसला किया है कि दिल्ली के हर जिले में मिनी सचिवालयों का निर्माण कार्य जोन के स्टाफ का सही इस्तेमाल करने के लिए यह काम परियोजना जोन को ट्रांसफर कर दिया गया है। सभी कंट्रोलिंग अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे संबंधित रिकार्ड तुरंत परियोजना जोन को सौंप दें।बता दें कि हाल ही में वित्त विभाग की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने द्वारका में एक मिनी सचिवालय के निर्माण के लिए 212.91 करोड़ रुपये मंजूर किए और राजस्व विभाग को अन्य जिलों में केंद्रीकृत प्रशासनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया था।अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के सभी 13 राजस्व जिलों में अत्याधुनिक जिला मिनी सचिवालय बनाने की जरूरत पर जोर दिया है, जिसमें पब्लिक इंटरफेस और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण पर खास ध्यान दिया जाएगा।

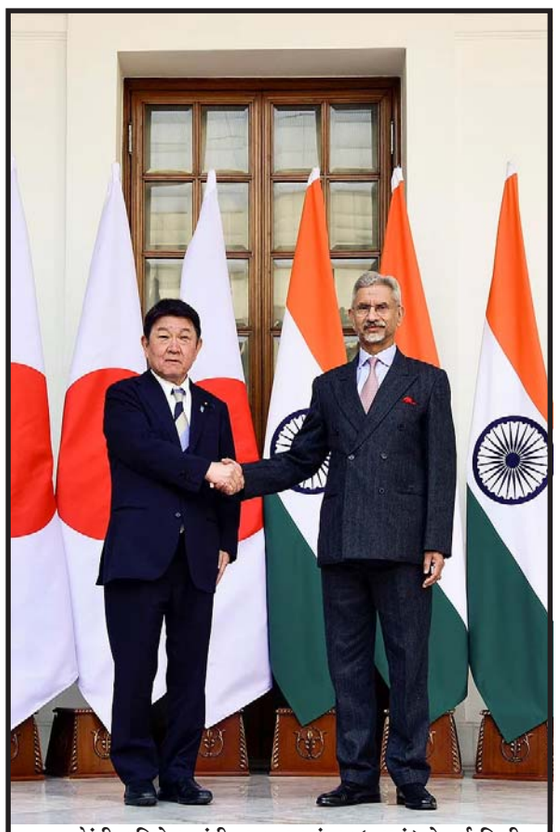

केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर (दाएं) ने नई दिल्ली में भारत दौरे के दौरान जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी से हाथ मिलाया।

गिग और असंगठित श्रमिकों को मिलेगी जल्द सामाजिक सुरक्षा

नई दिल्ली,19 जनवरी(एजेंसी)।

दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने शुक्रवार को अधिकारियों को असंगठित क्षेत्र के गिग और निर्माण श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। मिश्रा ने यह भी कहा कि श्रमिकों को अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के श्रम संहिता को केंद्र के श्रम संहिता के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। मंत्री ने केंद्र के सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत बनाए गए नियमों के प्रकाशन और अधिसूचना की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में भाग लेने के बाद यह बयान दिया। श्रम विभाग की ओर से जानकारी साझा की गई है कि असंगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं को शुरू करने के लिए कल्याण बोर्डों का गठन किया जाएगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता में असंगठित क्षेत्र के लिए कल्याण बोर्डों के गठन और उनके लिए कल्याणकारी योजनाओं के निर्माण का प्रविधान है। मिश्रा ने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ असंगठित श्रमिकों, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों और निर्माण श्रमिकों तक शीघ्रता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने 29 मौजूदा श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में समेकित किया है - मजदूरी संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियाँ संहिता। इन संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना, व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करना है। 2020 के तहत गिग/प्लेटफॉर्म श्रमिकों को किया जाएगा शामिलमिश्रा ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत असंगठित श्रमिकों और गिग/प्लेटफार्म श्रमिकों को शामिल किया गया है ताकि उन्हें विभिन्न लाभ मिल सकें। उन्होंने आगे कहा कि इसी प्रकार, निर्माण श्रमिक जो पहले भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (बीओसीडब्ल्यू) अधिनियम, 1996 के अंतर्गत आते थे, उन्हें अब सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के दायरे में लाया गया है।

लखनऊ में महिला पेंशनरों का फूटा गुस्सा, राशिकरण भुगतान अवधि और एरियर पर कर दी ये मांग

लखनऊ,19 जनवरी (एजेंसी)। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ (महिला विंग) की बैठक में पेंशन राशिकरण भुगतान की अवधि 15 वर्ष से घटाकर अधिकतम 12 वर्ष किए जाने की मांग की गई।इसके साथ ही 80 वर्ष की आयु पूरी करने पर पेंशनरों को मिलने वाली 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन धनराशि को 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पर पांच, दस और पंद्रह प्रतिशत बढ़ाए जाने पर बल दिया गया। बापू भवन सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित बैठक में कोरोना काल में रोके गए 18 माह के डीए व डीआर के एरियर का भुगतान करने और रेल किराए में पहले की तरह पेंशनरों व वरिष्ठ नागरिकों को किराए में छूट दिए जाने की मांग भी हुई। वक्ताओं ने आठवें केंद्रीय वित्त आयोग के बिंदुओं में पेंशन पुनरीक्षण का बिंदु नहीं शामिल किए जाने पर आक्रोश व्यक्त किया। महिला विंग की प्रदेश संयोजक कल्पना पाठक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मिथिलेश सिंह, ऊषा पाठक के साथ ही संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के प्रदेश संयोजक एनपी त्रिपाठी, सह संयोजक क्षमानाथ दुबे, सह संयोजक-प्रचार ओंकार नाथ व्यक्त किए।

नकली चांदी बेचकर असली सोना खरीदने वाले गिरोह के दो और आरोपी गिरफ्तार, आगरा के रहने वाले जालसाज

कानपुर,19 जनवरी (एजेंसी)। तीन माह पहले पीपीएन मार्केट में बैजनाथ ज्वैलर्स के यहां नकली चांदी बेचकर 23 लाख का असली सोना खरीदने वाले आगरा के गिरोह के दो और आरोपितों को कर्नलगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया। उनके पास से पांच लाख रुपये बरामद हुए। इससे पहले 12 नवंबर 2025 को इसी गिरोह के पांच आरोपितों को पकड़ा था। पुलिस अब गिरोह के सरगना आगरा के भरदौली पिनहट निवासी छत्रपाल सिंह की तलाश में जुटी है। ये गिरोह कोटा, ग्वालियर, जयपुर, दिल्ली समेत शहरों में भी ठगी कर चुका है।परेड के पीपीएन मार्केट स्थित बैजनाथ ज्वैलर्स की दुकान में 18 अक्टूबर 2025 को धनतेरस पर भीड़ दी। इसीबीच दो लोग दुकान पहुंचे और उनसे कहा कि उनके पास 15 किलो चांदी की पुरानी सिल्ली पड़ी हुई है। वह उसे बेचना चाहते हैं। भीड़ होने पर सर्राफ ने कर्मचारी से चांदी की जांच करने को कहा, लेकिन जल्दी में चांदी ठीक से नहीं देखी और उसे खरीदने को तैयार हो गए। दोनों ने उन रुपयों के बदले 23 लाख का सोना खरीद लिया। अगले दिन सर्राफ ने चांदी की सिल्ली की जांच की तो वह नकली निकली। सिल्ली रांगे की थी और उस पर चांदी की पालिश की गई थी। सर्राफ दिलीप अग्रवाल ने दो नवंबर को कर्नलगंज थाने में मुकदमा कराया। डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि क्राइम ब्रांच व साइबर टीम ने ठगी करने वाले गिरोह के आगरा के लोहामंडी निवासी मोहित वर्मा, ट्रांस यमुना कालिंदी विहार निवासी नंदू शाक्य, राजकुमार वर्मा, संजय वर्मा और चकेरी के प्रवीण सिंह को 12 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के पास से 12.500 किलो चांदी व 17.75 ग्राम सोना बरामद किया था, जबकि सरगना छत्रपाल व उसके साथी ट्रांस यमुना कालिंदी बिहार निवासी देवेंद्र गुप्ता उर्फ देवा व आकाश अग्रवाल उर्फ राजा फरार थे। उन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित था। कर्नलगंज थाना पुलिस ने देर रात पांच मुकदमों के आरोपित देवेंद्र व दो मुकदमों के आरोपित आकाश को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेजा है।

मादुरो की गिरफ्तारी पर भड़का क्यूबा अमेरिका के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

हवाना,19 जनवरी (एजेंसी)। अमेरिका और क्यूबा के रिश्तों में कड़वाहट और गहराने के बीच हवाना स्थित अमेरिकी दूतावास के सामने हजारों लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा।प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई सैन्य कार्रवाई, उसमें मारे गए 32 क्यूबाई सैन्य व खुफिया अधिकारियों और वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। क्यूबा सरकार के आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में राजधानी उमड़ पड़ी। प्रदर्शनकारी अमेरिकी दूतावास के सामने स्थित जोसे मार्टी एंटी-इंपीरियलिस्ट प्लाजा में जुटे, जहां क्यूबा और वेनेजुएला के झंडों के साथ साम्राज्यवाद विरोधी नारों से माहौल गूंज उठा। ठंडी हवाओं और समुद्री लहरों के बीच राष्ट्रगान गाया गया और अमेरिका के खिलाफ तीखी नारेबाजी हुई।क्यूबा का आरोप है कि अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान मादुरो की सुरक्षा में तैनात 32 क्यूबाई अधिकारी मारे गए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल ने अमेरिका पर सीधा हमला बोला और कहा कि क्यूबा किसी भी सूरत में दबाव या धमकी के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने दो टूक कहा कि अमेरिका से कोई भी बातचीत केवल बराबरी और आपसी सम्मान के आधार पर ही हो सकती है।

छत्तीसगढ़ में शादी का रजिस्ट्रेशन जरूरी :7 दिन बनेगा मैरिज सर्टिफिकेट, फर्जी शादी-बाल विवाह पर लगेगी रोक

रायपुर,19 रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में विवाह का पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य सरकार के विधि-विधायी कार्य विभाग ने इस संबंध में राजपत्र में अधिसूचना जारी कर दी है। आदेश के अनुसार, जिन दंपती का विवाह 29 जनवरी 2016 के बाद हुआ है, उन्हें निर्धारित समय-सीमा के अंदर अनिवार्य रूप से विवाह पंजीयन कराना होगा।

सरकार ने विवाह पंजीयन को अनिवार्य करने के पीछे कारण बताते हुए कहा है कि इससे फर्जी और दिखावटी शादियों पर रोक लगेगी। इसके अलावा बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं पर नियंत्रण होगा और महिलाओं के कानूनी अधिकार मजबूत होंगे।कहां और कैसे कराएं पंजीयन ?विवाह पंजीयन नगर निगम, नगर पालिका, जनपद पंचायत या अधिकृत ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कराया जा सकता है। अगर आप नगर निगम क्षेत्र में रहते हैं तो आपका पंजीयन नगर निगम कार्यालय में होगा।इसके अलावा चॉइस सेंटर के जरिए भी विवाह पंजीयन कराया जा सकता है। शादी के एक महीने के अंदर पंजीयन कराने पर शुल्क 20 रुपए है। अगर पंजीयन एक माह के बाद कराया जाता है, तो इसके लिए 520 रुपए देना होगा।मैरिज सर्टिफिकेट बनवाने के लिए किन डॉक्यूमेंट्स की जरूरत होती है ?अगर कोई आवेदक मैरिज सर्टिफिकेट बनवाना चाहता है तो वह मूल रूप से भारतीय नागरिक होना चाहिए। साथ ही पति-पत्नी की उम्र भारतीय कानून के मुताबिक होनी चाहिए। विवाह के एक महीने के भीतर मैरिज सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करना अनिवार्य है।हालांकि, उसके बाद भी मैरिज सर्टिफिकेट के

लिए कभी भी अप्लाई किया जा सकता है। लेकिन इसके लिए लेट फीस के साथ-साथ मैरिज रजिस्ट्रार से विशेष अनुमति लेनी होती है। अगर आवेदक का विवाह पहले हुआ था और अब तलाक हो गया है तो उसे नए विवाह के लिए पहले तलाक का प्रमाणपत्र लगाना होगा।

एक सप्ताह में हो जाता है सर्टिफिकेट जारीरायपुर नगर निगम रजिस्ट्रार तृप्ति पाणिग्रही ने बताया कि आवेदन करने के बाद सही दस्तावेज पाए जाते हैं तो एक सप्ताह में सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाता है। इसके लिए वेरिफिकेशन के लिए भी समय अवधि में कार्यालय में उपस्थित होना जरूरी होता है।क्या होता है मैरिज सर्टिफिकेट जिस तरह जन्म प्रमाण पत्र जन्म तारीख का कानूनी सबूत होता है, उसी तरह मैरिज सर्टिफिकेट पति-पत्नी के वैवाहिक रिश्ते का वैध कानूनी दस्तावेज होता है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2006 में विवाह को कानूनी रूप से मान्य करने के लिए मैरिज सर्टिफिकेट को अनिवार्य किया था।इसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना था। इसी कड़ी में अब छत्तीसगढ़ सरकार ने अधिसूचना जारी कर 29 जनवरी 2016 या उसके बाद हुए सभी विवाहों का पंजीयन अनिवार्य कर दिया है।विवाह का पंजीयन होने से पति-पत्नी दोनों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे। भविष्य में संपत्ति विवाद, भरण-पोषण के मामले, उत्तराधिकार से जुड़े विवाद तलाक या वैवाहिक विवाद जैसी स्थितियों में पंजीकृत विवाह कानूनी सबूत के रूप में काम आएगा और अनावश्यक परेशानियों से बचाव होगा।मैरिज सर्टिफिकेट क्यों जरूरी है?मैरिज सर्टिफिकेट पति-पत्नी के विवाहित होने की प्रामाणिकता के साथ कई सरकारी और गैर-सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी होता है। कई प्राइवेट कंपनियां शादीशुदा कर्मचारियों को अलग से कुछ बेनीफिट देती हैं।इन लोगों का नहीं बन सकता सर्टिफिकेट

भारत में शादी के लिए तय कानूनी उम्र के अनुसार लड़की की उम्र कम से कम 18 साल और लड़के की उम्र 21 साल होनी चाहिए। अगर शादी के समय इनमें से किसी की भी उम्र इससे कम होती है, तो वह शादी कानूनन मान्य नहीं होती और उनका मैरिज सर्टिफिकेट भी नहीं बन सकता।

जुआ खेल रहे 6 जुआरी पकड़ाये

कांकेर, 19 जनवरी (एजेंसी)। जिले की थाना नरहरपुर पुलिस ने थानाक्षेत्र में खुडखुडिया (जुआ) खेल रहे 6 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से नगदी रकम 7400 रूपये, ईंट, पान, चिड़ी, झण्डा, मुण्डा हुकुम बना फ्लैक्सी ,खुड़खुड़िया चार्ट एवं 06 नग प्लास्टिक गोटी बरामद किया है।मिली जानकारी के अनुसार थाना नरहरपुर क्षेत्रांतर्गत दिनांक 14.01.2026 को रात्रि ग्राम भ्रमण के मुखवीर सूचना मिला कि ग्राम डब्बीपानी रंगमंच के बगल में कुछ लोग खुड़खुड़िया चार्ट बिछाकर गोटी घोलकर अधिक पैसे का लालच देकर रूपये-पैसे का दांव लगाकर खुड़खुड़िया नामक जुआ खेला रहे है कि सुचना को वरिष्ठ अधिकारियो को अवगत कराकर श्रीमान पुलिस अधीक्षक कांकेर श्री निखिल अशोक कुमार राखेचा के निर्देशन में अति. पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी श्री अविनाश ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी नरहरपुर सोमेश सिँह बघेल के हमराह स्टाफ के सुचना तस्दीक एवं आवश्यक कार्यवाही करने रवाना होकर ग्राम डब्बीपानी रंगमंच के बगल में घेराबंदी कर 06 व्यक्ति को पकड़ा गया जिनके कब्जे से कुल जुमला रकम 7400 रूपये, एक नग सफेद रंग के रेग्जीन फ्लेक्सी जिसमें ईंट, पान, चिड़ी, झण्डा, मुण्डा, हुकुम खुड़खुड़िया चार्ट एवं 06 नग प्लास्टिक गोटी जिसके फलक पर ईंट, पान, चिड़ी, झण्डा, मुण्डा, हुकुम अंकित है एवं 01 नग काले रंग की रेगजीन लेदर को जप्त किया गया। आरोपियों का कृत्य धारा 6 (क) छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 का पाये जाने से विधिवत् गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को दिया गया। माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर जेल भेजा गया।

रायपुर से गिरफ्तार विदेशी युवतियों को भेजा गया डिटेंशन सेंटर:आईबी पुलिस ने 3 दिन पूछताछ की, युवतियां यहां क्यों आई इसका खुलासा नहीं

रायपुर,19 जनवरी (एजेंसी)। राजधानी रायपुर के निजी होटल से गिरफ्तार की गई उज्बेकिस्तान की युवतियों से पूछताछ के बाद उन्हें डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया है। इससे पहले आईबी अधिकारियों ने 3 दिन तक इनसे पूछताछ की थी। जिसके बाद गुरुवार (15 जनवरी) को डिटेंशन सेंटर रवाना किया।मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। विदेशी युवतियों कौन थी? किससे मिलने आई थी? रायपुर में कब से रह रही थी? इन सभी सवालों के जवाब पुलिस अधिकारियों ने सार्वजनिक नहीं किए है। अफसरों का कहना है कि मामले में जांच जारी है। सीनियर अधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है।अब पढ़े क्या है पूरा मामला10 जनवरी को तेलीबांधा पुलिस द्वारा रशियन युवतियों के गिरफ्तार करने की चर्चा थी। मीडियाकर्मियों ने पुलिस अधिकारियों से मामले में पूछताछ की तो पता चला कि किर्गिस्तान की दो युवतियों से आईबी और पुलिस के सीनियर अधिकारी पूछताछ कर रहे है।जिन युवतियों से पूछताछ की जा रही है, उसमें से एक का वीजा खत्म हो गया है। दूसरी युवती के पास पासपोर्ट और दस्तावेज भी नहीं है। पुलिस अधिकारियों ने पूछताछ करने के बाद जानकारी सार्वजनिक करने की बात कही थी।युवतियों से 2 दिन तक पूछताछ करने के बाद अफसरों ने उनकी जानकारी सार्वजनिक किए बिना डिटेंशन सेंटर भेज दिया।

अब पढ़े पुलिस अधिकारियों ने क्या कहारायपुर एएसपी तारकेश्वर पटेल ने विदेशी युवतियों को डिटेंशन सेंटर भेजे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि युवतियों को पूछताछ के लिए लाया गया था। उनके वीजा-पासपोर्ट में कमी मिली थी। युवतियों

को डिटेंशन सेंटर रवाना किया गया है।पूर्व में सेक्स रैकेट का खुलासा हो चुका है।11 महीने पहले यानि 6 फरवरी 2025 को भी रायपुर में विदेशी युवती गिरफ्तार हो चुकी है। विदेशी युवती और उसका साथी शराब के नशे में तेज रफ्तार गाड़ी चलाते हुए हादसे को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई की तो जांच के बाद बड़े सेक्स रैकेट ग्रुप का खुलासा हुआ था।

एम्स में 4 साल की बच्ची के दोनों कानों की कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी, स्मार्ट नैव टेक्नोलॉजी से हुआ ऑपरेशन

रायपुर ,19 जनवरी (एजेंसी)। राजधानी स्थित एम्स में जन्म से ही कम सुनने वाली 4 वर्षीय बच्ची की दोनों कानों की क्रमिक कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह सर्जरी स्मार्ट नैव टेक्नोलॉजी की मदद से की गई, जिससे सर्जरी के दौरान इम्प्लांट के इलेक्ट्रोड की सटीक पोजिशनिंग संभव हो सकी।

इस ऑपरेशन में मुंबई के केईएम अस्पताल की ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. हेतल मारफतिया और एम्स रायपुर की ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू राजगुरु की टीम शामिल रही। बच्ची जन्म से ही दोनों कानों से सुनने में असमर्थ थी, जिससे उसकी बोलने और समझने की क्षमता भी प्रभावित हो रही थी।

डॉक्टरों के मुताबिक, इस तकनीक से किए गए इम्प्लांट से बच्चे में सुनने की क्षमता विकसित होने और आगे चलकर बोलने-समझने की प्रक्रिया बेहतर होने की संभावना बढ़ जाती है। समय पर कॉक्लियर इम्प्लांट होने से बच्चों के भाषाई विकास में भी मदद मिलती है।

क्या है मार्ट नैव टेक्नोलॉजी

स्मार्ट नैव एक नेविगेशन आधारित तकनीक है, जो सर्जरी के दौरान सर्जन को कान के भीतर इम्प्लांट डालते समय सही दिशा और स्थिति की जानकारी देती है। इससे इलेक्ट्रोड सही जगह पर लगाया जा सकता है और आसपास की नाजुक संरचनाओं को नुकसान पहुंचने का खतरा कम होता है। तकनीक रियल-टाइम फीडबैक भी देती है, जिससे सर्जरी अधिक सुरक्षित और सटीक बनती है।

पहले हो चुकी है ऐसी सर्जरी

एम्स रायपुर में पहले भी कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की जा चुकी है, लेकिन इस बार स्मार्ट नैव टेक्नोलॉजी के उपयोग से यह प्रक्रिया और अधिक सटीक और नियंत्रित तरीके से की गई। सर्जरी के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और आगे ऑडियो-लॉजिकल थेरेपी व फॉलोअप की प्रक्रिया चलेगी। डॉक्टरों का कहना है कि जन्म से सुनने में परेशानी वाले बच्चों की समय रहते पहचान और इलाज से उन्हें सामान्य जीवन के करीब लाया जा सकता है।क्या है स्मार्ट नैव टेक्नोलॉजीस्मार्ट नैव एक नेविगेशन आधारित तकनीक है, जो सर्जरी के दौरान सर्जन को कान के भीतर इम्प्लांट डालते समय सही दिशा और स्थिति की जानकारी देती है। इससे इलेक्ट्रोड सही जगह पर लगाया जा सकता है

12.538 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

धमतरी, 19 जनवरी (एजेंसी)। जिले की अर्जुनी थाना पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 12.538 किलोग्राम गांजा जब्त किया है।एसपी धमतरी के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थों एवं अन्य अवैध गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है।

इसी तारतम्य में थाना अर्जुनी को मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भोयना ग्राम पंचायत के पास धमतरी-नगरी मार्ग पर अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा का परिवहन किया जा रहा है। सूचना प्राप्त होते ही थाना अर्जुनी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए मुखबिर द्वारा बताए गए ।

अवैध शराब के साथ चार गिरफ्तार

रायपुर, 19 जनवरी (एजेंसी)। गंज थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक्टिवा सवार 4 युवकों से 238 पाव देशी शराब जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि फाफाडीह शराब दुकान के सामने एक्टिवा सवार चार युवक अवैध रूप से शराब लेकर जा रहे है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश साहू 29 वर्ष सहित अन्य 3 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 238 पाव देशी शराब व एक्टिवा वाहन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

अश्लील डांस कांड: जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपने के बाद हड़कंप, एसडीएम पर नियम तोड़ने के आरोप, डांसर गिरफ्त में

गरियाबंद, 19 जनवरी (एजेंसी)। देवभोग थाना क्षेत्र के उरमाल गांव में आयोजित छह दिवसीय ओपेरा कार्यक्रम के दौरान हुए अश्लील नृत्य प्रकरण की प्रशासनिक जांच पूरी हो चुकी है। जांच अधिकारी अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे ने अपनी रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी है। औपचारिक अनुमोदन के बाद यह रिपोर्ट कमिश्नर को भेजी जाएगी, जहां से आगे की कार्रवाई तय होगी। जांच में स्पष्ट रूप से सामने आया है कि आयोजन की अनुमति देते समय निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया गया।

जांच के दौरान अनुमति प्रक्रिया, आयोजन स्थल की वैधता और कार्यक्रम में एसडीएम की मौजूदगी जैसे पहलुओं की गहन पड़ताल की गई। इस सिलसिले में आयोजक मंडल के सदस्यों, कोटवार, सरपंच, पंचों और मीडिया प्रतिनिधियों के बयान दर्ज किए गए।बयानों के अनुसार, 29 दिसंबर को आवेदन प्राप्त होते ही उसी दिन कार्यक्रम की अनुमति जारी कर दी गई। आवेदन में अध्यक्ष बताए गए नरेंद्र साहू को स्वयं इस आवेदन की जानकारी नहीं थी। न तो पुलिस और तहसीलदार से आवश्यक प्रतिवेदन लिया गया और न ही भूमि स्वामी की सहमति प्राप्त की गई। जांच में यह भी उजागर हुआ कि प्रतिवेदन मंगाने की प्रक्रिया केवल फाइलों तक सीमित रही। गवाहों के कथनों से यह भी पुष्टि हुई कि एसडीएम आयोजन के दौरान मौजूद रहे और कार्यक्रम का आनंद लेते देखे गए।अश्लील कार्यक्रम में 15वीं गिरफ्तारी, डांसर मुचलके पर रिहाप्रकरण में 8 जनवरी को प्रस्तुति देने वाली डांसर सुचित्रा जेना को पुलिस ने गिरफ्तार कर निजी मुचलके पर छोड़ दिया। थाना प्रभारी फैजुल शाह के अनुसार, गिरफ्तारी ओडिशा के जाजपुर जिले के धर्मशाला थाना क्षेत्र से की गई। इससे पहले देवभोग पुलिस आयोजकों के खिलाफ धारा 296 और 3-5 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर 14 आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

वहीं, 9 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल डांसर निशा महाराणा की तलाश जारी है। बताया गया है कि निशा ने कार्यक्रम से पहले सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर लोगों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की थी। 9 जनवरी को हुए इसी आयोजन में आपत्तिजनक नृत्य हुआ था, जिसमें एसडीएम की मौजूदगी को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अवैध धान परिवहन व भंडारण पर सख्त कार्रवाई

धमतरी, 19 जनवरी (एजेंसी)। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में अवैध धान परिवहन, भंडारण एवं खरीदी में अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय उड़नदस्ता दल, नगरी द्वारा राजस्व विभाग, खाद्य विभाग एवं मंडी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार देर शाम को गट्टासिल्ली स्थित एस.के. फूड्स राइस मिल का निरीक्षण किया गया। उक्त मिल के संचालक श्री आसिफ मेमन हैं।निरीक्षण के दौरान मिल परिसर में उपलब्ध स्टॉक पंजी का गहन परीक्षण किया गया तथा भौतिक सत्यापन के माध्यम से धान एवं चावल की वास्तविक मात्रा का मिलान किया गया। जांच में यह पाया गया कि मिल परिसर में दर्ज स्टॉक की तुलना में धान की मात्रा 269 क्विंटल अधिक पाई गई। यह अतिरिक्त मात्रा धान खरीदी वर्ष 2025-26 के अंतर्गत अवैध परिवहन एवं भंडारण की आशंका को दर्शाती है, जिसे गंभीर अनियमितता माना गया।संयुक्त दल द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए मिल परिसर में उपलब्ध कुल 20,976 क्विंटल धान एवं 605 क्विंटल चावल को जब्त किया गया। जब्त सामग्री को नियमानुसार मिल के प्रतिनिधि श्री जावेद मेमन की सुपुर्दगी में दिया गया तथा आगे की जांच एवं वैधानिक प्रक्रिया के लिए राइस मिल को सील बंद किया गया।कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि शासन की धान उपार्जन व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसानों के हितों की रक्षा एवं समर्थन मूल्य प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की संयुक्त जांच एवं कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने सभी मिल संचालकों एवं व्यापारियों को शासन के नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

विवाह कायम रहते अन्य पुरुष से जन्मे बच्चे कानूनन पहले पति की ही संतान, हाई कोर्ट का अहम फैसला

बिलासपुर,19 जनवरी (एजेंसी)। पितृत्व निर्धारण के मामले में छत्तीसगढ़ में बिलासपुर हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद की बेंच ने स्पष्ट किया कि विवाह कायम रहते हुए अन्य पुरुष से जन्मे बच्चे कानूनन पहले पति की ही संतान माने जाएंगे, भले ही उक्त अन्य पुरुष उन बच्चों को अपनी संतान स्वीकार करे और महिला के साथ लिव-इन में रहे।दो महिलाओं ने खुद को बिलासपुर के एक प्रतिष्ठित कारोबारी की बेटियां बताते हुए उन्हें वैध संतान घोषित करने की मांग फैमिली कोर्ट में की थी। ऐसा उन्होंने कारोबारी की संपत्ति में हक पाने के लिए किया था। फैमिली कोर्ट में दायर याचिका में बताया कि उनकी मां का 1971 में कारोबारी के साथ वरमाला विवाह हुआ था, जिसके बाद उनका जन्म हुआ। बेटियों ने कहा कि उनकी मां का पहला पति 1984 में घर छोड़कर चला गया और तब से उनका कोई पता नहीं है।उन्होंने अदालत में यह भी कहा कि मां के दूसरे पति और कारोबारी पिता ने उन्हें हमेशा बेटियों की तरह माना और स्वीकार किया। कारोबारी ने भी अदालत में इस बात को स्वीकार किया था, लेकिन कारोबारी के स्वजन ने इस निर्णय के विरोध में थे। कोर्ट ट्रायल के बीच व्यापारी का निधन हो गया था।फैमिली कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि दूसरे पति द्वारा संतान के रूप में स्वीकारोक्ति के बयान से कानूनी व्यवस्थाओं और प्रविधानों को नकारा नहीं जा सकता।लिव-इन के दौरान अन्य पुरुष से बच्चे के जन्म को साबित करने के लिए नॉन-एक्सेस यानी पति-पत्नी के बीच शारीरिक संबंध न बनने की बात को चिकित्सकीय प्रमाण के साथ पेश नहीं किया जा सका और न ही पिता की मृत्यु का कोई प्रमाण प्रस्तुत किया गया।इससे स्पष्ट हुआ कि विवाह कानूनी रूप से समाप्त नहीं हुआ था। ऐसे में हिंदू विवाह

अधिनियम की धारा पांच और 11 के तहत दूसरा विवाह शून्य माना जाएगा। फैमिली कोर्ट के इस फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए युगल पीठ ने फैमिली कोर्ट के फैसले को कायम रखा।

महुआ शराब बिक्री करने वाला पकड़ाया

बिलासपुर, 19 जनवरी (एजेंसी)। बिलासपुर की कोटा थाना पुलिस ने अवैध धनार्जन के उद्देश्य से भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है तथा उसके पास से 60 लीटर महुआ शराब जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 14.01.2026 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि वर्मा मोहल्ला ग्राम गनियारी में एक व्यक्ति अपने कब्जे में भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब को अवैध रूप से धनार्जन करने के उद्देश्य से भारी मात्रा में बिक्री कर रहा है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

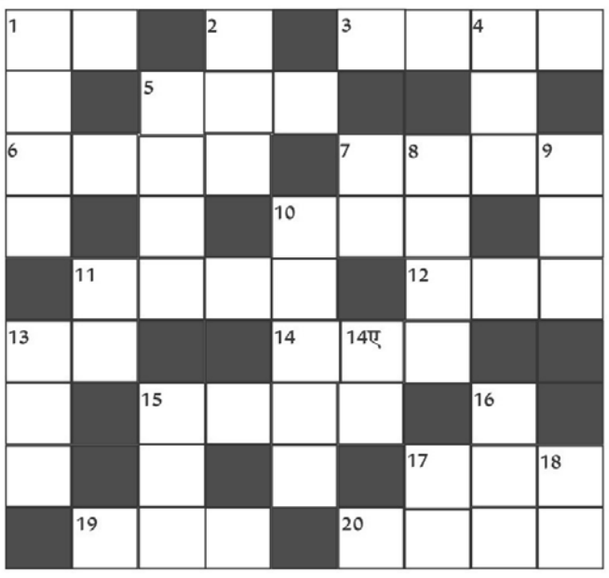

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

टी-20 विश्व कप 2026: कर्टनी वॉल्श जिम्बाब्वे के गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त

नईदिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने टी-20 विश्व कप 2026 में अपने टीम को मजबूती देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज कर्टनी वॉल्श को इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम का गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने फैसले की घोषणा की और बताया कि वॉल्श ने टीम के साथ काम शुरू कर दिया है। इस रणनीतिक कदम का उद्देश्य जिम्बाब्वे की गेंदबाजी क्षमताओं को बेहतर बनाना है।अपनी नियुक्ति के बाद वॉल्श ने टीम के खिलाड़ियों की क्षमता पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करें, एक टीम के रूप में मिलकर काम करें और परिस्थितियों के अनुकूल ढल जाएं, तो हमारे पास बहुत अच्छा मौका है। अब तक उन्होंने जो देखा है, उससे वे आक्रमण की संयोजनता से विशेष रूप से प्रभावित हुए हैं और उन्होंने कहा कि इस टीम में अपार संभावनाएं हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे पहले 500 विकेट लेने वाले वॉल्श को कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। वह पहले बांग्लादेश के लिए विशेष गेंदबाजी कोच और वेस्टइंडीज महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं। साल 2024 में वह जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के तकनीकी सलाहकार भी थे। उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में उनका व्यापक अनुभव वैश्विक प्रतियोगिता से पहले जिम्बाब्वे टीम को मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा कि वॉल्श की नियुक्ति गेंदबाजों को मार्गदर्शन देने और उनकी क्षमता का लाभ उठाने के लिए की गई है।

मेंस हॉकी इंडिया लीग 2025-26: घरेलू चरण का शानदार समापन

रांची,19 जनवरी (एजेंसी)। मेंस हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में रांची शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने घरेलू चरण का समापन लगातार तीसरी जीत के साथ किया. शुक्रवार को मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रांची रॉयल्स ने छ्स्ङ्ख सूरमा हॉकी क्लब को 4-1 से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया.

रांची रॉयल्स की जीत में टॉम बून ने अहम भूमिका निभाई और दो गोल दागे. उन्होंने 20वें और 22वें मिनट में गोल कर टीम को मजबूत बढ़त दिलाई. इसके अलावा मनमीत सिंह राय ने 14वें मिनट में खाता खोला, जबकि मंदीप सिंह ने 47वें मिनट में चौथा गोल कर जीत पक्की कर दी. जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब की ओर से जीतपाल ने 52वें मिनट में एकमात्र गोल किया.

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमें आक्रामक रुख अपनाए हुए थी. शुरुआती पांच मिनट के भीतर ही जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन रांची रॉयल्स के गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव करते हुए टीम को बढ़त से दूर रखा.

पहले क्वार्टर में सूरमा को तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे किसी भी मौके को भुना नहीं सके. पहले 15 मिनट में दोनों टीमों के आठ-आठ सर्कल एंट्री रहे, बावजूद इसके खेल के विपरीत रांची रॉयल्स ने 14वें मिनट में बढ़त बना ली. सैम लेन के रिबाउंड को मनमीत सिंह राय ने गोल में तब्दील कर टीम को आगे कर दिया.

पहला गोल होने के बाद रांची रॉयल्स का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने पासिंग के जरिए सूरमा की डिफेंस पर दबाव बनाना शुरू किया. इसका नतीजा 20वें मिनट में देखने को मिला, जब लाचलान शार्प के शॉट के बाद मिले मौके पर टॉम बून ने नजदीक से गोल कर बढ़त दोगुनी कर दी. इसके ठीक दो मिनट बाद टॉम बून ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया. पहले हाफ के अंत तक रांची रॉयल्स मुकाबले पर पूरी तरह हावी नजर आई.

दूसरे हाफ में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने वापसी की कोशिश की। एक मौके पर उनका शॉट गोल लाइन से बाहर निकाल दिया गया. जिससे रांची रॉयल्स की तीन गोल की बढ़त बरकरार रही. तीसरे क्वार्टर में मेजबान टीम ने खेल की रफ्तार को नियंत्रित करते हुए कुछ और मौके भी बनाए.

चौथे और अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में ही रांची रॉयल्स ने मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया. अराइजित सिंह हुंडाल के शानदार पास पर मंदीप सिंह ने गोलकीपर को छकाते हुए 47वें मिनट में चौथा गोल दागा. इसके बाद भी जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने प्रयास जारी रखे और 52वें मिनट में जीतपाल ने गोल कर अंतर कम किया, लेकिन यह गोल सिर्फ सांत्वना साबित हुआ.रांची रॉयल्स ने 4-1 की जीत के साथ अपने घरेलू चरण का शानदार समापन किया और मेंस हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की.

इंडिया ओपन 2026: लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में हारे, भारत का अभियान खत्म

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। इंडिया ओपन 2026 में भारती अभियान को उस समय बड़ा झटका लगा, जब भारत की आखिरी उम्मीद लक्ष्य सेन शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पुरुष सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में तीन गेम में हारकर बाहर हो गए.पीवी सिंधु, किदांबी श्रीकांत और एच.एस प्रणॉय के शुरुआती राउंड में बाहर होने के बाद इस इवेंट में भारत की एकमात्र उम्मीद लक्ष्य सेन ही थे, लेकिन वो भी चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 12 लिन चुन-यी से क्वार्टर फाइनल में हार गए. बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 14वें स्थान पर मौजूद सेन एक घंटे 8 मिनट तक चले मैच में 21-17, 13-21 और 18-21 से हार का सामना करना पड़ा.शुक्रवार 16 जनवरी को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में, लक्ष्य सेन आखिर तक लिन चुन-यी के साथ बराबरी पर थे।

टी20 स्क्वाड में तिलक-सुंदर के रिप्लेसमेंट का हुआ ऐलान, इन दो खिलाड़ियों की खुली किस्मत

नईदिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया ने टी20 स्क्वाड में तिलक वर्मा और वॉशिंगटन सुंदर के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया. न्यूजीलैंड के खिलाफ आने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई को टीम में शामिल किया गया है.जहां बिश्नोई चोटिल ऑफ-स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह आएंगे, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में बल्लेबाज करते समय साइड स्ट्रेन की वजह से तकलीफ में थे. वहीं अय्यर बाएं हाथ के बैट्समैन तिलक वर्मा की वजह से पहले तीन मैचों में होंगे, जो पेट के निचले हिस्से की सर्जरी से उबर रहे हैं.बिश्नोई लगभग एक साल बाद टीम में वापसी कर रहे हैं. उन्होंने आखिरी बार फरवरी 2025 में मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच में भारत के लिए खेला था. बिश्नोई ने अब तक 42 टी20 इंटरनेशनल में 7.35 की इकॉनमी रेट से 61 विकेट लिए हैं.वहीं अय्यर दो साल बाद टी20 टीम में वापसी कर रहे हैं. उन्होंने आखिरी बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल खेला था. अय्यर ने अब तक कुल 51 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 30.66 की औसत और 136.12 के स्ट्राइक-रेट से 1104 रन बनाए हैं.न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से शुरू होगी. भारत और न्यूजीलैंड की ये सीरीज 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से पहले दोनों टीमों का आखिरी इंटरनेशनल असाइनमेंट है.

भारत बनाम न्यूजीलैंड: तीसरे वनडे मैच का प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

नईदिल्ली,19 जनवरी। भारतीय क्रिकेट टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला रविवार (18 जनवरी) को खेला जाएगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम जीत दर्ज कर सीरीज को अपने नाम करना चाहेगी। इसी तरह माइकल ब्रेसवेल की कप्तानी वाली कीवी टीम भी जीत हासिल कर भारत में पहली बार वनडे सीरीज जीतने का प्रयास करेगी। ऐसे में आइए इस मुकाबले के प्रीव्यू और अन्य महत्वपूर्ण बातों पर एक नजर डालते हैं।

वनडे में दोनों टीमों के बीच 122 मुकाबले हुए हैं। इनमें से 63 में भारतीय टीम को जीत मिली है, जबकि 51 मैच कीवी टीम ने जीते हैं। 1 मैच टाई रहा है और 7 मुकाबलों में कोई नतीजा नहीं निकला है। भारत में दोनों टीमों के बीच 42 मुकाबले हुए हैं। 32 मैच में भारतीय टीम को जीत मिली है और 9 मुकाबलों में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 1 मैच में कोई नजीता नहीं निकला है।

भारतीय टीम को इस अहम मुकाबले में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और गिल की जोड़ी से दमदार शुरुआत की उम्मीद रहेगी। विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। स्पिन गेंदबाजी की कमान कुलदीप यादव के हाथों में होगी। मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। भारत की संभावित एकादश: रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, रविंद्र जडेजा, नितीश रेड्डी, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड टीम को अपने सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे और हैनरी निकोल्स से बेहतर शुरुआत की अपेक्षा रहेगी। इसी तरह विल यंग और डेरिल मिचेल फिर से बड़ी पारी खेलकर टीम को मजबूती देना चाहेंगे। गेंदबाजी में काइल जैमीसन बेहतर प्रदर्शन कर टीम हावी करने का प्रयास करेंगे। न्यूजीलैंड की संभावित एकादश: डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), मिचेल हे (विकेटकीपर), जैकरी फॉल्क्स, क्रिस्टन क्लार्क, काइल जैमीसन और जेडन लेनोक्स।यह मुकाबला इंदौर के होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। यहां की पिच सपाट है और अच्छे उछाल वाली है। इससे यहां बल्लेबाजी करना आसान होता है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है, लेकिन बाद में बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है। यहां की आउटफील्ड तेज है और सीमा रेखा छोटी है। हालांकि, यहां ओस की भूमिका भी अहम रहती है। ऐसे में अक्सर दिन-रात के मुकाबले में टीमें टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना पसंद करती हैं।कोहली ने पिछले 10 वनडे में 72.13 की औसत से 577 रन बनाए हैं। रोहित के बल्ले से पिछले 10 मैच में 55.78 की औसत से 502 रन निकले हैं। मिचेल ने पिछले 8 मैच में 114.06 की औसत से 573 रन बनाए हैं। कॉनवे के बल्ले से 6 मैच में 256 रन निकले हैं। कुलदीप ने पिछले 8 मैच में 14 विकेट अपने नाम किए हैं। जैमीसन ने पिछले 5 वनडे मुकाबलों में 12 विकेट अपने नाम किए हैं।भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह मुकाबला इंदौर के होलकर स्टेडियम में दोपहर डेढ़ बजे से से खेला जाएगा। भारत में स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार ऐप पर इस मैच का सीधा प्रसारण देखा जा सकता है।

डब्ल्यूपीएल 2026: आरसीबी गुजरात को हराकर बनीं टेबल टॉपर, राधा और श्रेयांका ने बिखेरा जलवा

नवी मुंबई,19 जनवरी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में अपनी शानदार शुरुआत जारी रखते हुए गुजरात जायंट्स पर 32 रन से जीत हासिल की और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर श्रेयांका पाटिल के शानदार पहले पांच विकेट लेने के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई.रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पावर-प्ले में चार विकेट गंवाने के बाद लड़खड़ाती हुई नजर आई, लेकिन बाद में राधा यादव ने 42 गेंदों में 66 रन बनाकर टीम को संभाला, यह उनका पहला डब्ल्यूपीएल अर्धशतक था और उन्होंने ऋचा घोष के साथ पांचवें विकेट के लिए 105 रन जोड़े, जिन्होंने 28 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि नादिन डी क्लर्क के 26 रनों की छोटी पारी ने टीम का कुल स्कोर 182/7 तक पहुंचा दिया.गुजरात की तरफ से सोफी डिवाइन और काश्वी गौतम सबसे सफल गेंदबाज रहीं. सोफी ने 31 रन देकर 3 विकेट ली, जबकि गौतम ने 42 रन खर्च करके दो विकेट निकालने में सफल रहीं. राधा यादव को उनके शानदार प्रदर्शन की वजह से प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड दिया गया.

व्यापार

अब गर्भ में पल रहे बच्चे को भी मिलेगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ, हेल्थ पॉलिसी लॉन्च

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। गर्भावस्था के दौरान अब सिर्फ मां ही नहीं, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु की चिकित्सकीय जरूरतों को भी बीमा सुरक्षा मिल सकेगी। बजाज जनरल इंश्योरेंस ने एक नई स्वास्थ्य बीमा पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं और गर्भ में होने वाली जटिल चिकित्सकीय प्रक्रियाओं से जुड़े आर्थिक बोझ को कम करना है।अब गर्भ में पल रहे बच्चे को भी स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। बजाज जनरल इंश्योरेंस ने फीटल फ्लोरिश नामक बीमा पॉलिसी पेश की है।यह भ्रूण स्वास्थ्य बीमा है, जिसका प्रीमियम 1,025 रुपये है। इसे गर्भाशय में होने वाली प्रक्रियाओं, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं व उन्नत भ्रूण प्रक्रियाओं के लिए बनाया गया है। इसके तहत 18 से 45 वर्ष की आयु की महिलाओं के लिए गर्भाशय में होने वाली 16 विशेष प्रक्रियाओं को कवर किया जाएगा।

यह पॉलिसी प्रमुख उत्पादों माई हेल्थ केयर प्लान और हेल्थ गार्ड के साथ उपलब्ध है। फीटल फ्लोरिश प्रसवपूर्व देखभाल की जरूरतों को पूरा करने के लिए चिकित्सा विशेषज्ञता और बीमा डिजाइन को एक साथ लाती है। यह पॉलिसी गर्भ के अंदर अजन्मे बच्चे की सुरक्षा पर केंद्रित है। अब तक समर्पित बीमा योजना के अभाव में इन प्रक्रियाओं का पूरा खर्च परिवारों को ही उठाना पड़ता था।बजाज जनरल इंश्योरेंस के एमडी-सीईओ डॉ. तपन सिंघल ने कहा, गर्भावस्था हर परिवार के लिए बेहद निजी यात्रा होती है, जो आशा, उम्मीद और बच्चे के सर्वोत्तम हित की कामना से भरी होती है। भ्रूण देखभाल में प्रगति ने जल्द हस्तक्षेप करना संभव बना दिया है, लेकिन वित्तीय बोझ अनुभव

को और भी कठिन बना सकता है। यह पेशकश हमारे इस विश्वास को दर्शाती है कि देखभाल और सुरक्षा जीवन के शुरुआती चरण से ही शुरू होनी चाहिए। दो लाख रुपये तक का राइडरइस पॉलिसी में 2 लाख रुपये तक का राइडर होगा। यह पहली दो घटनाओं के लिए होगा। इसमें बेसिक हेल्थ इंडेम्निटी पॉलिसी के तहत दो प्रसूति घटनाओं के लिए कवरेज उपलब्ध है। पॉलिसी शुरू होने से 9 महीने की प्रतीक्षा अवधि होगी।इन प्रक्रियाओं में मिलेगा लाभ जो 16 प्रक्रियाएं कवर होंगी, उनमें एमनियोसेंटेसिस, कोरियोनिक विलस सैंपलिंग, परक्यूटेनियस अम्बिलिकल ब्लड सैंपलिंग, एमनियोइन्फ्यूजन, फीटल टिश्यू बायोप्सी, एमनियो-रिडक्शन, थोराकोम्निओटिक शंट, फेटोस्कोपी, टीटीटीएस के लिए फेटोस्कोपिक लेजर सर्जरी, फीटल रिडक्शन, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट्स, फीटल सिस्टोस्कोपिक सर्जरी, जन्मजात डायाफ्रामिक हर्निया के लिए फीटो, एमनियोटिक बैंड सिंड्रोम सर्जरी व फीटल एओर्टिक वाल्वुलोप्लास्टी और अन्य हैं।

जेरोधा सीईओ नितिन कामथ ने बीएमसी चुनाव के चलते शेयर बाजार बंद रखने पर उठाया सवाल

नईदिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। जेरोधा के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नितिन कामथ ने बीएमसी चुनाव के चलते आज शेयर बाजार बंद रहने पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों का एक स्थानीय नगर निकाय चुनाव के कारण बंद होना कई सवाल खड़े करता है। ऐसे समय में जब भारतीय बाजारों की वैश्विक स्तर पर भागीदारी बढ़ रही, इस तरह का फैसला योजना की कमी और दूरगामी असर को न समझ पाने की ओर इशारा करता है।

कामथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारतीय शेयर बाजारों के अंतरराष्ट्रीय लिंक हैं और इन पर विदेशी निवेशकों की भी नजर रहती है। ऐसे में केवल मुंबई के नगर निगम चुनाव के कारण बाजार बंद करना सही रणनीति नहीं लगती। इससे ट्रेडिंग, निवेश और वैश्विक भरोसे पर असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से यह साफ होता है कि हम अभी वैश्विक सोच से काफी पीछे हैं।अपने पोस्ट में कामथ ने दिग्गज निवेशक चार्ली मंगर के कथन का हवाला देते हुए कहा, मुझे प्रोत्साहन दिखाओ, मैं नतीजा दिखा दूंगा। उनका कहना था कि यह छुट्टी इसलिए भी मौजूद है, क्योंकि इसे खत्म करने का विरोध करने का किसी को खास प्रोत्साहन नहीं है। जब तक फैसलों से जुड़े लोग खुद इसका असर नहीं झेलते, तब तक सिस्टम में बदलाव की कोई ठोस पहल होती नहीं दिखती। कामथ ने इशारों में कहा कि ऐसे फैसले यह भी बताते हैं कि भारत को वैश्विक निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अभी लंबा सफर तय करना है। बाजार की निरंतरता, स्थिरता और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार फैसले लेना बेहद जरूरी है।

अपर्चुनिटीज फंड्स से पांच साल में मिला 27 फीसदी लाभ, खास रणनीति कैसे देती है फायदा

नई दिल्ली,19 जनवरी (एजेंसी)। कॉरपोरेट बदलाव, नीतिगत फैसलों और अस्थायी चुनौतियों से गुजर रही कंपनियों पर दांव लगाने वाले अपर्चुनिटीज फंड्स ने बीते पांच वर्षों में 27 फीसदी तक रिटर्न दिया है। नीचे से ऊपर की रणनीति और बिना सेक्टर या मार्केट कैप की पाबंदी के इन फंड्स ने बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है। सवाल यह है कि क्या खास परिस्थितियों में निवेश की यह रणनीति लंबी अवधि में भी ऐसे ही मौके बनाती रहेगी?कॉरपोरेट पुनर्गठन, सरकारी नीतियों या नियमों में बदलाव, किसी सेक्टर में उथल-पुथल लेकिन अस्थायी चुनौतियों से गुजरने वाली स्थितियों पर आधारित अपर्चुनिटीज फंडों ने पांच साल में 27 फीसदी तक रिटर्न दिया है। ये योजनाएं नीचे से ऊपर की ओर चुनने की रणनीति अपनाती हैं। इसमें बाजार पूंजीकरण या सेक्टर की कोई पाबंदी नहीं होती।

आंकड़ों के मुताबिक, फ्रैंकलिन इंडिया फंड ने पांच साल में 20.69 फीसदी रिटर्न दिया है। सुंदरम सर्विसेस ने 19.04 फीसदी फायदा दिया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की अपर्चुनिटीज स्कीम ने 27 फीसदी का लाभ दिया है। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम

है, जो विशेष स्थितियों की थीम पर काम करती है। इस स्कीम ने निवेशकों को बेहतर निवेश अनुभव देते हुए सात साल पूरे कर लिए हैं। स्कीम में सात साल पहले लगाए गए दस लाख अब 37.76 लाख हो गए हैं। सालाना 21 फीसदी का लाभ। यही रकम स्कीम के बेंचमार्क निफ्टी-500 टीआरआई में 28 लाख (15.97 फीसदी) हुई है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की स्कीम ने एक साल में 13 फीसदी, तीन साल में 23 व पांच साल में 27 फीसदी रिटर्न दिया है।भविष्य में अच्छा फायदा मिलने की उम्मीद: आईप्रू के ईडी एस नरेन कहते हैं, समय-समय पर विशेष स्थितियों का सामना कंपनियों को करना पड़ता है। ये अचानक बाजार में उथल-पुथल व नियमों में बदलाव जैसी स्थितियां हो सकती हैं। ऐसी कंपनियों में निवेश करने का मकसद इन पलों को लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके में बदलना होता है।

रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद चांदी में भारी गिरावट, सोना भी फिसला

नईदिल्ली ,19 जनवरी (एजेंसी)। चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड ऊंचाई के बाद अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 7.3 प्रतिशत तक टूट गई, जबकि सोने के भाव में भी कमजोरी दर्ज की गई. यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब अमेरिका ने महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर तत्काल कोई अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) नहीं लगाने का संकेत दिया है.पिछले चार कारोबारी दिनों में चांदी की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली थी. इस तेज उछाल के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली शुरू कर दी, जिससे कीमतों पर दबाव बना और तेज गिरावट दर्ज की गई.भारत के सर्राफा बाजार में बुधवार को चांदी 14,480 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,77,512 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई पर बंद हुई थी. आईबीजेए द्वारा जारी दरों के अनुसार, सोना भी 1,731 रुपये उछलकर 1,42,015 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिजों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए द्विपक्षीय समझौतों पर बातचीत की जाएगी. उन्होंने आयात पर प्रतिशत आधारित टैरिफ के बजाय न्यूनतम मूल्य (प्राइस फ्लोर) लागू करने का संकेत दिया है. हालांकि, भविष्य में शुल्क लगाने से पूरी तरह इनकार नहीं किया गया है. इस बयान से चांदी, प्लैटिनम और पैलेडियम पर तत्काल टैरिफ की आशंका कम हुई है.हाल के दिनों में चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है. बाजार की अस्थिरता दर्शाने वाला 14-दिन का एक्स्पोनेंशियल एवरेज ट्रू रेंज तेजी से बढ़ा है।

आज शेयर बाजार में नहीं होगा कारोबार, बंद रहेंगे एनएसई और बीएसई

मुंबई ,19 जनवरी(एजेंसी)। देश के शेयर बाजार गुरुवार, 15 जन[...] पूरी तरह बंद रहेंगे. इसकी वजह महाराष्ट्र में हो रहे नगर निगम (म्यूनि[...] चुनाव हैं. इस दिन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने ही ट्रेडिंग हॉलिडे घोषित किया है. दोनों एक्सचेंजों ने इस अवकाश को आधिकारिक हॉलिडे लिस्ट में शामिल कर लिया है.आमतौर पर शेयर बा[...] शनिवार और रविवार को बंद रहते हैं, लेकिन इसके अलावा कुछ विशेष [...] और सार्वजनिक अवकाशों पर भी ट्रेडिंग नहीं होती. 15 जनवरी को महा[...] कई नगर निकाय क्षेत्रों में मतदान होने के कारण सार्वजनिक अवकाश [...] किया गया है, जिसका असर शेयर बाजारों पर भी पड़ा है.महाराष्ट्र स[...] नगर निगम चुनाव को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट के तहत सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है. इस अवकाश के दायरे में नगर निकाय क्षेत्रों में आने वाले सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालय, निगम, बोर्ड, सार्वजनिक उपक्रम, बैंक और केंद्र सरकार के कार्यालय शामिल हैं. 15 जनवरी को जिन क्षेत्रों में मतदान हो रहा है, वहां कामकाज पूरी तरह बंद रहेगा.

वोटों की गिनती 16 जनवरी को की जाएगी.15 जनवरी को बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग, करेंसी डेरिवेटिव्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई-पार्टी रेपो, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स और कमोडिटी डेरिवेटिव्स - सभी सेगमेंट्स में ट्रेडिंग बंद रहेगी.

वहीं हृस्श्व में भी इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंटरेस्ट रेट डेरिवेटिव्स में कोई कारोबार नहीं होगा. महाराष्ट्र के 29 महानगरपालिका क्षेत्रों में नगर निगम चुनाव कराए जा रहे हैं. इनमें मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, पुणे, पिंपरी-चिंचवड, नागपुर, नासिक, अमरावती, अकोला, सोलापुर, कोल्हापुर, सांगली-मिराज-कुपवाड, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़-वाघाला, लातूर और चंद्रपुर सहित अन्य शहर शामिल हैं.

सात साल का इंतजार खत्म, ब्लड कंपोनेंट यूनिट के लिए लाइसेंस जारी

मेडिकल कॉलेज में संचालन की तैयारी शुरू

एक यूनिट रक्त से पांच मरीजों की हो पाएगी मदद

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक में ब्लड कंपोनेंट यूनिट का संचालन शुरू होने के बाद एक यूनिट ब्लड से प्लेटलेट्स, प्लाज्मा, आरबीसी व डब्ल्यूबीसी जैसे कंपोनेंट अलग कर मरीजों को उपलब्ध कराया जा सकेगा। इस तरह एक यूनिट रक्तदान से पांच मरीजों को मदद मिलेगी।

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ब्लड कंपोनेंट यूनिट के लिए सात साल के इंतजार के बाद मेडिकल कॉलेज में मशीन के संचालन के लिए लाइसेंस जारी हो गया है। एक सप्ताह के भीतर ब्लड कंपोनेंट यूनिट की शुरूआत की जाएगी। मेडिकल कॉलेज में इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है।

जिला अस्पताल के मेडिकल कॉलेज संबद्ध होने से पहले 2019 में ही सीजीएमएससी की ओर से ब्लड कंपोनेंट मशीन दी गई थी। मशीन से संबंधित पूरक मशीन की गलत सप्लाई होने से अब तक ब्लड कंपोनेंट यूनिट शुरू नहीं की जा सकी है। अस्पताल में मरीजों की संख्या तीन गुना होने के बाद ब्लड कंपोनेंट की आवश्यकता बढ़ी। कई बार मांग के बाद भी सीजीएमएससी ने पूरक मशीन रेफ्रीजरेटर सेंट्रीफ्यूज की सप्लाई नहीं की। इंतजार में ही छह साल बीत गए। मरीजों की जरूरत को देखते हुए तत्कालीन कलेक्टर अजीत वसंत ने डीएमएफ से ब्लड कंपोनेंट सेपरेटर मशीन के लिए रेफ्रीजरेटर सेंट्रीफ्यूज खरीदी की स्वीकृति दी। इसके बाद 40 लाख की मशीन की खरीदी हुई। इसके बाद ब्लड बैंक के ब्लड कंपोनेंट यूनिट में मशीन की स्थापना की गई। प्रशिक्षित स्टाफ से ट्रायल कराया गया था। ब्लड कंपोनेंट मशीन के लिए ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी से लाइसेंस अनिवार्य है। ब्लड कंपोनेंट यूनिट के लिए जरूरी मशीन उपलब्ध होने के बाद मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने करीब छह महीने पहले लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। दो महीने पहले ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की केंद्रीय टीम ने निरीक्षण किया। मशीन संचालन के के लिए लाइसेंस जारी करने से पहले टीम ने अस्पताल पहुंचकर ब्लड बैंक, स्थान के स्वामित्व का प्रमाण, परिसर का नक्शा, ब्लड कंपोनेंट यूनिट, दस्तावेज, उपकरणों की सूची, केलिब्रेशन रिपोर्ट, मानक संचालन प्रक्रिया, पैथोलॉजिस्ट, लैब टेक्नीशियन आदि की जानकारी ली।

दोहरी रेलिंग से टकराई तेज रफ्तार ट्रेलर

बड़ा हादसा टला, वाहन चालक फरार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग पर ग्राम पंचायत पहंदा के पास देर रात एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। चांपा से कोरबा की ओर आ रही ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीएक्स 5376 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में घुसा दिया। ट्रेलर ने पहले सड़क के बीच लगी लोहे की रेलिंग और फिर किनारे बनी कंक्रीट सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए दोहरी सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटनास्थल से रिहायशी क्षेत्र की दूरी महज 100 मीटर बताई जा रही है। सौभाग्य से वाहन सड़क पर ही रुक गया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। दुर्घटना रात में होने के कारण तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी। सुबह ग्रामीणों ने ट्रेलर को क्षतिग्रस्त हालत में खड़ा पाया, जबकि चालक मौके से फरार था। हालांकि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस हादसे ने सड़क सुरक्षा और वाहन चालकों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुप्त नवरात्रि शुरू, देवी मां की होगी पूजा-अर्चना

27 जनवरी तक मंदिरों में होंगे विशेष अनुष्ठान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। माघ गुप्त नवरात्रि 19 जनवरी से शुरू हो गई है। इस अवसर पर मंदिरों में विविध अनुष्ठान संपन्न हुए। मंदिरों में माघ गुप्त नवरात्रि पर 27 जनवरी तक विशेष अनुष्ठान कराए जाएंगे। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष में 4 नवरात्रियां होती हैं, जिनमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि प्रकट तथा माघ व आषाढ़ मास की नवरात्रि गुप्त कही जाती हैं। गुप्त नवरात्रि के दौरान दस महाविद्याओं की विशेष साधना का विधान है। इस अवसर पर ब्रह्म शक्ति मां बगलामुखी देवी का पूजन महाकाली स्वरूप में किया जाएगा। रोजाना सुबह श्री शारदेश्वर पारदेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक, पूजन, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का श्रृंगार व पूजन, सिद्धिविनायक का अभिषेक और महालक्ष्मी, महाकाली, महासरस्वती, राजराजेश्वरी का श्रीसूक्त षोडश मंत्रों द्वारा दूधधाराओं से अभिषेक किया जाएगा। मातारानी की साधना के लिए यह नौ दिवसीय काल अत्यंत फलदायी माना जाता है। दस महाविद्याओं में सर्वोपरि मानी जाने वाली मां बगलामुखी की उपासना वाद-विवाद, मुकदमे में विजय, शत्रु बाधा निवारण, असाध्य रोगों से मुक्ति, ग्रह शांति, संतान प्राप्ति, मनोकामना पूर्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए विशेष रूप से की जाती है। जहां सामान्य नवरात्रि सामाजिक उत्सव का स्वरूप लेती हैं, वहीं गुप्त नवरात्रि आत्मिक उन्नति और गूढ़ साधना का काल है। इस दौरान भक्तों को मां को पीले पुष्प, पीले वस्त्र और पीली मिठाई अर्पित करने का विशेष महत्व बताया गया है।

सीएमपीएफओ में डिजिटल सुधार के बाद जीरो पेंडेंसी हासिल करने का लक्ष्य

शिकायतों के निपटारे की अवधि की गई 7 दिन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सीएमपीएफओ में डिजिटल सुधार के बाद पीएफ व पेंशन से जुड़ी शिकायतों के निपटारे में तेजी आई है। 2026 तक जीरो पेंडेंस हासिल करने का लक्ष्य है। क्योंकि अब शिकायतों के समाधान में लगने वाला समय घट गया है। 2024 में शिकायतों के निपटारे की अवधि 21 दिन, 2025 में 15 दिन और अब 2026 के लिए अधिकतम 7 कार्य दिवस में समाधान का लक्ष्य तय किया गया है। शिकायतों की निगरानी रियल टाइम डैश बोर्ड के माध्यम से की जा रही है। इस तरह सीएमपीएफओ शिकायत के मामले में जीरो पेंडेंसी की ओर बढ़ रही है।

कोयला कर्मियों को पीएफ की राशि रिटायरमेंट के दिन ही बैंक खाते में मिल रही है। ऐसी व्यवस्था कोयला खान भविष्य निधि संगठन (सीएमपीएफओ) में जरूरी डिजिटल सुधार के बाद हुई है। साथ ही पीएफ व पेंशन दावों व शिकायतों का ऑनलाइन निपटारा करने सी-केयर्स पोर्टल अपग्रेड किया है। सी-केयर्स पोर्टल का संस्करण 2.0 में सीएमपीएफओ के सदस्यों के लिए मोबाइल एप्लिकेशन भी है, जिसमें सदस्य रोजगार प्रोपाइल देखने के साथ ही दावों को ट्रैक कर सकते हैं। सदस्यों को अपडेटेड पीएफ बैलेंस की जानकारी मिल रही है। नए वित्तीय मॉड्यूल लागू होने से भविष्य निधि की राशि सदस्यों के खातों में उसी दिन भेज रहे हैं। इससे पहले औसतन 7 दिन का समय लग जाता था। कोयला खदान क्षेत्रों में पेंशन प्रकरण के लंबित मामले समाप्त करने, सामाजिक सुरक्षा तक समय पर पहुंच सुनिश्चित करने और घर-घर जाकर पेंशन और पेंशन निपटान जैसी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से जून 2025 में मिशन प्रयास शुरू किया गया। इसका लक्ष्य कोयला कामगारों तक पहुंचना, उनकी पेंशन एवं पेंशन दावों का निपटारा करना रहा। सी-केयर्स पोर्टल से अब पीएफ व पेंशन मामलों की ऑनलाइन निगरानी संभव हुआ है। वहीं लाभार्थी अपने आवेदन की स्थिति मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से रियल टाइम देख सकेंगे। इससे पारदर्शिता बढ़ी है। फाइलों के अटकने व अनावश्यक देरी से भी निजात मिली है। पहले आधार या नाम में त्रुटि के कारण डेटा मिसमैच की समस्या आ रही थी, जिसे अब आधार व पैन लिकिंग के जरिए समाप्त कर दिया गया है। दूसरी ओर क्षेत्रीय कार्यालय में लंबित मामलों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

पीएफ व पेंशन से जुड़ी शिकायतें होंगी दूर

ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन के संयोजक पीके राठौड़ ने कहा कि नई व्यवस्था से सीएमपीएफओ सदस्यों के पीएफ व पेंशन से जुड़ी शिकायतें दूर होगी। महंगाई के हिसाब से पेंशन बढ़ोत्तरी पर केन्द्र सरकार उदासीन है। इसे लेकर एसोसिएशन की बैठक में भी चिंता जाहिर की गई। साथ ही कोयला कर्मियों की पेंशन बढ़ोत्तरी की मांग पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। कई कोल पेंशनरों को 1 हजार रुपए से भी कम पेंशन मिल रहा है। जबकि कोल इंडिया में न्यूनतम 1 हजार की सहमति बनी थी।

एनएच 130 पर तेज रफ्तार हाइवा पलटा

होटल से टकराने से पहले टली बड़ी अनहोनी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कटघोरा-अंबिकापुर मार्ग पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-130 में बीती रात करीब 11 बजे एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जल्के से गिट्टी लोड कर तेज रफ्तार में जा रहा एक हाइवा गुरसिया क्षेत्र के पास अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे जाकर पलट गया। घटना के समय हालात इतने गंभीर हो गए कि हाइवा सीधे गोस्वामी होटल की ओर बढ़ता नजर आया, जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। सौभाग्यवश हाइवा होटल या आसपास के मकानों से टकराने से पहले ही रुक गया। इस कारण होटल और मकान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। होटल में मौजूद कर्मचारी और घर में रह रहे लोग बाल-बाल बच गए। यदि वाहन टकरा जाता तो जान-माल का नुकसान हो सकता था। दुर्घटना में हाइवा चालक को अंदरूनी चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना के बाद कुछ समय तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाइवा चालक सामने से आ रहे ट्रैक्टर और बोलेरो वाहन को बचाने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति को संभाला गया और यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

लंबे समय से फरार वारंटी आरोपियों पर कसा शिकंजा

पुलिस का विशेष अभियान, 61 वारंटों की सफल तामिली

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिलेभर में स्थाई व गिरफ्तारी वारंटों की तामिली के लिए पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में विशेष एवं सघन अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक थाना एवं चौकी स्तर पर पृथक-पृथक पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर योजनाबद्ध दबिश दी गई। स्थानीय मुखबिर तंत्र, बीट सिस्टम एवं तकनीकी सूचनाओं के प्रभावी उपयोग से लंबे समय से फरार एवं न्यायालय में अनुपस्थित वारंटी आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

अभियान की सतत मॉनिटरिंग अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और नीतीश ठाकुर द्वारा की गई तथा नगर पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारियों के पर्यवेक्षण में कुल 42 गिरफ्तारी वारंट एवं 19 स्थाई वारंट सहित कुल 61 वारंटों की तामिली की गई। सभी वारंटी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस ने कहा है कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बन रहा रवि, सर्वार्थ सिद्धि और पंचग्रही योग

विवाह मुहूर्त के 9 दिन दुर्लभ और अत्यंत शुभ

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विवाह मुहूर्त शुरू होने से पहले 19 जनवरी से 4 फरवरी तक 9 दिन ऐसे हैं जिनमें दुर्लभ और अत्यंत शुभ योग बन रहे हैं। इन योगों को धन, सौभाग्य, स्थायित्व और समृद्धि से जोड़ा जाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस अवधि में रवि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि-सोम पुष्य योग और पंचग्रही योग जैसे दुर्लभ संयोग बन रहे हैं।

मकर संक्रांति के साथ ही खरमास का समापन हो गया है। 19 जनवरी से 4 फरवरी यानी विवाह विवाह मुहूर्त शुरू होने तक 9 दिन में विभिन्न शुभ योग बन रहे हैं। जिसका लाभ लोग लेना चाहेंगे। साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत भी हो चुकी है। जिसका असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। बीते एक माह से सुस्त पड़े बाजार में अब धीरे धीरे रौनक लौट रही है। क्योंकि 4 फरवरी से विवाह मुहूर्त पुनः शुरू हो रहा है। विवाह वाले परिवारों के लोग जरूरत के सामानों की खरीदारी के लिए जुट गए हैं। शहर के सराफा, कपड़ा, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक्स और ऑटोमोबाइल बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। वहीं बैंड बाजा, साउंड सिस्टम, बारात घर, टेंड, लाइटिंग आदि की बुकिंग भी लोग तेजी से कराने लगे हैं। फरवरी माह में विवाह मुहूर्त के अनुसार जो शहर में आयोजन करना चाहते हैं और भवनों की बुकिंग नहीं कर पाए हैं तो उनकी मुश्किले बढ़ गई हैं। क्योंकि अधिकांश सामाजिक, सार्वजनिक भवनों की बुकिंग हो चुकी है। कुछ होटलों के लॉन जरूर बचे हैं लेकिन उनकी बुकिंग कराना हर परिवार के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे लोग विवाह आयोजन के लिए अपने घर के आसपास ही कोई खाली जगह तलाश रहे हैं।

हेमूकालाणी का बलिदान दिवस 21 को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पूज्य पूज्य सिंधी पंचायत कोरबा द्वारा शहीद हेमूकालाणी का बलिदान दिवस 21 जनवरी को श्रद्धा भाव से मनाया जाएगा। पूज्य सिंधी पंचायत के कार्यवाहक अद्यक्ष चंदन दास कोटवानी व सचिव नरेश कुमार जगवानी ने बताया कि अंग्रेजों की गुलामी से भारतमाता को स्वतंत्र कराने के लिए देश के अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। ऐसे ही अविभाजित भारत के सिंध प्रांत के अमर शहीद हेमूकालाणी ने भी अल्पायु में अपने प्राण हंसते हंसते मां भारती को अर्पण किया था। स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद हेमूकालाणी का 83वां बलिदान दिवस पूज्य सिंधी पंचायत मनाएगा। कार्यक्रम सिंधु भवन रानी रोड में शहीद हेमूकालाणी द्वार के समीप सुबह 11 बजे होगा जहां अमर शहीद के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी। पदाधिकारियों ने नगर के सर्वसमाज के देशभक्तों से आग्रह है कि वे श्रद्धांजलि सभा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल हों।

विशेष वाहन जांच अभियान में 24 चालकों पर कार्रवाई

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस ने जिले के प्रमुख मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष वाहन जांच अभियान चलाया। नशे की स्थिति में वाहन चलाते पाए गए 24 चालकों के विरुद्ध धारा 185 एमवी एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। सभी वाहन चालकों का ब्रेथ एनालाइजर एवं मेडिकल परीक्षण कराया गया। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशे में वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623